WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 226 | लखनऊ, सोमवार, 03 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

अनुराग कश्यप ने खुलासा करते हुए कहा

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विकास से सम्बन्धित विभिन्न विषयों की समीक्षा की

निवेशकों की समस्याओं का त्वरित निदान सुनिश्चित किया जाए:योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर औद्योगिक विकास से सम्बन्धित विभिन्न विषयों की समीक्षा की। उन्होंने लम्बित विषयों पर अधिकारियों को शीघ्रता से निर्णय लेते हुए तेजी से कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए लैण्ड बैंक उपलब्ध कराया जाए। लैण्ड बैंक की भूमि चिन्हित करने की कार्यवाही तत्परता से की जाए। उन्होंने प्रदेश में बनाए गए एक्सप्रेसवेज तथा निर्माणाधीन प्रस्तावित एक्सप्रेसवेज के दोनों ओर प्रमुख पोटेन्शियल क्षेत्रों को चिन्हित करके लैण्ड बैंक विकसित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने औद्योगिक विकास से सम्बन्धित विषयों तथा लैण्ड बैंक की उपलब्धता

के सम्बन्ध में आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने आर0आर0टी0एस0 परियोजना के अन्तर्गत दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे (एन0एच0-24) के सम्बन्ध में समीक्षा करते हुए लम्बित प्रकरणों के निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बंजर भूमि के 10 हेक्टेयर या उससे अधिक क्षेत्रफल के भूखण्डों का औद्योगीकरण के लिए उपयोग किए जाने पर विचार करते हुए कार्यवाही की जाए। उन्होंने प्रदेश में एन0एच0ए0आई0 से सम्बन्धित विभिन्न परियोजनाओं के निर्माण को समयबद्ध ढंग से पूरा किए जाने की बात कही। उन्होंने सुल्तानपुर-वाराणसी, गोरखपुर-वाराणसी, लखनऊ-बरेली आदि मार्गों की मरम्मत किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही, ईस्टर्न तथा वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के सम्बन्ध में भी समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया कोविड-19 की वैश्विक महामारी से जूझ रही है। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ इस चुनौती को अवसर में बदलने के लिए तेजी से कार्य करना होगा। औद्योगिक विकास की सभी सम्भावनाओं को तलाश करते हुए समस्याओं का त्वरित समाधान करना होगा, तभी प्रदेश अधिक से अधिक रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य है। यहां पर दक्ष मानव संसाधन, एक्सप्रेसवेज सहित बेहतर कनेक्टिविटी, अवस्थापना सुविधाएं व भरपूर प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि निवेशकों की समस्याओं का त्वरित निदान सुनिश्चित किया जाए और आवश्यकतानुसार संशोधनों पर भी विचार किया जाए। बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने औद्योगिक विकास से सम्बन्धित लम्बित विभिन्न विषयों पर हुई प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि प्रकरणों के समाधान की दिशा में कार्यवाही की जा रही है।

प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरूण का निधन

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमित प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरूण का रविवार को निधन हो गया। वह 62 साल की थी। कानपुर में घाटमपुर की विधायक श्रीमती वरूण को कोरोना संक्रमण के कारण पिछली 18 जुलाई को एसपीजीआई लखनऊ भर्ती कराया गया था। बता दें कि संजय गांधी स्नानाकोत्तर आर्युविज्ञान संस्थानें च्छप् के एपेक्स ट्रामा सेंटर में उनाका इलाज चल रहा था। आज सुबह उनकी मृत्यु हो गई। फिलहाल अभी उनकी मृत्यु कैसे हुई इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। श्रीमती वरूण 11वीं और 12वीं लोकसभा में कानपुर की सांसद रह चुकी है। कबीना मंत्री के निधन से व्यथित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपना अयोध्या दौरा निरस्त कर दिया है। उन्होंने दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये ट्वीट किया उत्तर प्रदेश सरकार में मेरी सहयोगी, कैबिनेट मंत्री श्रीमती कमल रानी वरुण जी के असमय निधन की सूचना, व्यथित करने वाली है। प्रदेश ने आज एक समर्पित जननेत्री को खो दिया। उनके परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें।

अमिताभ ने कोरोना से जीती जंग

मुंबई, एजेंसी। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने कोरोना से जंग जीत ली है और उनकी रिपोर्ट निगेटिव आने पर मुंबई के नानावटी अस्पताल से रविवार को छुट्टी दे दी गई। अमिताभ बच्चन ने कोरोना मुक्त होने की जानकारी स्वयं ट्विटर पर दी। उन्होंने अपनी फोटो शेयर करते हुए उस पर धन्यवाद लिख कोरोना से मुक्त होने की खुशी जाहिर की है। ग्यारह जुलाई को कोरोना संक्रमित होने पर भी अमिताभ ने स्वयं ट्विटर पर जानकारी दी थी। अमिताभ बच्चन ने अस्पताल से छुट्टी मिलने पर ट्वीट किया, मैं कोरोना निगेटिव आया हूं, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और घर में क्वारंटीन हूं। भगवान की कृपा, मां-बाबूजी का आशीर्वाद, करीबियों और फैंस की दुआएं भी रही। नानवटी अस्पताल की नर्सिंग बेहतरीन थी और सभी ने बहुत ध्यान रखा। उन्हीं की वजह से मैं यह आज दिन देख पा रहा हूं। बिग बी के पुत्र अभिषेक बच्चन, पुत्रवधू ऐश्वर्या राय बच्चन और पौत्री अराध्या बच्चन भी कोरोना संक्रमित हो गए थे। अभिषेक अभी अस्पताल में है। पुत्रवधू और पौत्री को कुछ दिन पहले अस्पताल से छुट्टी मिली है। अभिषेक ने अपने पिता के कोरोना मुक्त होने पर सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे पिता की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है।

देश में एक दिन में रिकॉर्ड 51,255 लोग कोरोनामुक्त

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों के दौरान बड़ी राहत की बात यह रही कि पहली बार 51 हजार से अधिक लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं हालांकि इस दौरान 54,736 नये मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या साढ़े 17 लाख को पार कर गयी। जिन चार राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली और आंध्र प्रदेश में कोरोना संक्रमण के सबसे अधिक मामले हैं, उन सभी में इस अवधि में स्वस्थ होने वालों की संख्या में बड़ी वृद्धि देखी गयी। आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक 12,750, महाराष्ट्र में 10,725, तमिलनाडु में 7010 और दिल्ली में 1201 लोग स्वस्थ हुए। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 51,255 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 11,45,630 हो गयी है। अधिकतर राज्यों में स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ने से सक्रिय मामले महज 2,627 बढ़े हैं जिससे इनकी संख्या 5,67,730 हो गयी है। पिछले तीन-चार दिन से प्रतिदिन 12 हजार से अधिक सक्रिय मामले सामने आ रहे थे। पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 54,736 मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या 17,50,724 हो गयी है।

कोविंद ने देशवासियों को दी रक्षाबंधन की बधाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने प्रेम और भाईचारे के त्योहार रक्षाबंधन के अवसर पर देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।श्री कोविंद ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर रविवार को अपने बधाई संदेश में कहा कि रक्षाबंधन के पावन अवसर पर मैं सभी भारतवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने आगे कहा कि राखी प्रेम, स्नेह और विश्वास का वह अटूट धागा है जिसे बहनें अपने भाइयों की कलाइयों पर बांधती हैं। यह एक ऐसा अनुपम पर्व है जो महिलाओं के हितों की रक्षा करने और उनकी भलाई के लिए काम करने की इच्छाशक्ति को मजबूत करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आइए इस दिन, हम सब महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के प्रति प्रयत्नशील रहने का संकल्प लें ताकि देश और समाज में वे बढ़-चढ़कर अपना योगदान दे सकें।

अमित शाह कोरोना पॉजिटिव

बोले- संपर्क में आए लोग करा लें टेस्ट

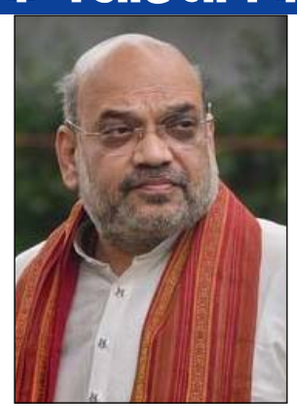

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह भी कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आ गए हैं। उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उन्होंने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। साथ ही संपर्क में आए लोगों से भी कोरोना जांच कराने की सलाह दी है। ट्विटर पर लोग उनके शीघ्र कोरोना वायरस के संक्रमण से उबरने की कामना करने लगे हैं। अमित शाह को डॉक्टरों की सलाह पर गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शाह रविवार दोपहर करीब सवा चार बजे मेदांता अस्पताल पहुंचे। उन्हें आइसोलेट किया गया है। मेदांता अस्पताल की डॉ. सुशीला कटारिया के नेतृत्व में अन्य चिकित्सकों की टीम उनकी देखरेख कर रही है। मौके पर पुलिस सहित प्रशासन के आला अधिकारी भी मौजूद हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, कोरोना के शुरूआती लक्षण दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी तबीयत ठीक है परन्तु डॉक्टर्स की सलाह पर अस्पताल में भर्ती हो रहा हूं। मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आये हैं, कृपया स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जांच करवाएं। कोरोना के शुरूआती लक्षण दिखने पर मैंने टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मेरी तबीयत ठीक है परन्तु डॉक्टर्स की सलाह पर अस्पताल में भर्ती हो रहा हूं। मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आये हैं, कृपया स्वयं को आइसोलेट कर अपनी जाँच करवाएं। दूसरी तरफ बीते कुछ समय से अस्पताल में इलाजरत अभिनेता अमिताभ बच्चन की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई है। आपको यह भी बता दें कि आज ही उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री की कोरोना के कारण मौत हो गई। बीते कुछ समय से उनका इलाज चल रहा था।

मुंबई में 3 से 5 अगस्त के बीच भारी बारिश की आशंका गुजरात में भी अलर्ट

मुंबई, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और राज्य के कुछ अन्य जिलों में 3 अगस्त से 5 अगस्त तक कुछ स्थानों पर अत्यंत भारी बारिश होने का अनुमान है। इस अवधि में मुंबई के अलावा, रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, कोल्हापुर, सांगली, बीड, लातूर और उस्मानाबाद जिलों में भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के पूर्वानुमान में नांदेड़, हिंगोली, परभणी, जालना, सांगली और औरंगाबाद में 5 अगस्त तक हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, ''भारी से बहुत भारी बारिशश्श् का अर्थ है 24 घंटे की अवधि में 64.5 मिमी से लेकर 204.4 मिमी तक वर्षा होना। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम राजीवन ने बताया कि 6 अगस्त को विशेष रूप से मुंबई में भारी बारिश होने की संभावना है।

यूपी बीजेपी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह व जल शक्ति मंत्री महेन्द्र सिंह कोरोना संक्रमित

लखनऊ, एजेंसी। तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस के संक्रमण से अब उत्तर प्रदेश में और भयावह स्थिति होने लगी है। कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण रविवार सुबह योगी आदित्यनाथ सरकार में प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमलरानी वरुण के निधन का निधन हो गया। शाम को सूचना आई कि उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भी कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। उन्होंने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है। वहीं यूपी सरकार के जल शक्ति मंत्री महेन्द्र सिंह की भी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड-19 के 3,953 नए मामले मिले हैं। यूपी भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने रविवार शाम को ट्वीट कर कहा कि %मुझे कोरोना के शुरुआती लक्षण दिख रहे थे, जिसके चलते मैंने अपनी कोविड-19 की जांच कराई। जांच में मेरी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। मुझसे संपर्क में आने वाले सभी लोगों से मेरा निवेदन है कि वे गाइडलाइन के अनुसार स्वयं को क्वारंटाइन कर लें और आवश्यकता अनुसार अपनी जांच करा लें। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि डॉक्टर की सलाह पर मैं वर्तमान में अपने आवास पर होम क्वारंटाइन हूं। मेरा सभी प्रदेशवासियों से निवेदन है कि पूरी सावधानी बरतें और सरकार की गाइडलाइन का सख्ती से पालन करें। उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे जांच में तेजी आई है, कोरोनो वायरस से संक्रमितों की संख्या भी बढ़ी है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में कोविड-19 के 3,953 नए मामले आए हैं। साथ ही, कोविड-19 के उपचार के बाद संक्रमण से मुक्त हो चुके 1,861 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया है। प्रदेश में कोविड-19 के संक्रमण के नियंत्रण व उपचार के लिए टेस्टिंग का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है।

राउत की पीएम मोदी को चेतावनी

समस्याओं का नहीं हुआ समाधान तो आपकी छिन जाएगी कुर्सी

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि अगर नौकरियां जाने जैसी समस्याएं नहीं सुलझीं तो लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस्तीफा मांग सकते हैं। राउत ने शिवसेना के मुखपत्र 'सामना में अपने साप्ताहिक स्तंभ रोकटोक में दावा किया कि कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण 10 करोड़ लोगों ने अपनी आजीविका गंवा दी है और इस संकट से 40 करोड़ से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि मध्यमवर्गीय वेतनभोगी लोगों की नौकरियां चली गई जबकि व्यापार और उद्योगों को करीब चार लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। शिवसेना सांसद ने कहा कि लोगों के धैर्य की एक सीमा है। वे केवल उम्मीद और वादों पर जिंदा नहीं रह सकते। प्रधानमंत्री भी इस बात से सहमत होंगे कि भले ही भगवान राम का 'वनवास खत्म हो गया है लेकिन मौजूदा हालात मुश्किल हैं। किसी ने भी अपनी जिंदगी के बारे में पहले कभी इतना असुरक्षित महसूस नहीं किया होगा। उन्होंने कहा कि इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं और कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और आर्थिक संकट से निपटने में नाकामी को लेकर उनके इस्तीफे की मांग की जा रही है।

मंदिर भूमि पूजन सुखद और गौरवशालीः शर्मा

मथुरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किये जाने वाले भूमि पूजन को सुखद एवं गौरवशाली क्षण बताया। श्री शर्मा ने रविवार को जारी बयान में कहा कि अरसे से देश की जनता इस समय का इंतजार कर रही थी। उच्चतम न्यायालय ने फैसले सुनाने के लिए अनुकूल माहौल कर इंतजार किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में उस माहौल को तैयार किया। न्यायपालिका को भी भरोसा हो गया कि फैसला जो भी आएगा ,देश में अमन चौन और भाईचारा कायम रहेगा। फैसला आने के बाद लोगों में सौहार्द और भाईचारा कायम रहा। सभी लोग देश की न्यायपालिका के प्रति कृतज्ञ है। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री की जो सकारात्मक सोच एवं आस्था थी उसके अनुरूप मंदिर का निर्माण होने जा रहा है।

राममंदिर का शिलान्यास तो कब का हो चुकाः कटियार

अयोध्या, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के फायर ब्रांड नेता विनय कटियार ने कहा कि राम मंदिर का शिलान्यास पहले ही हो चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच अगस्त को शिला पूजन और भूमि पूजन करने आ रहे हैं। कटियार ने कहा कि बिहार के दलित कामेश्वर चौपाल ने 1989 में ही राम मंदिर का शिलान्यास कर दिया था। अब केवल शिला पूजन व भूमि पूजन होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या में पांच अगस्त को आ करके श्रीरामजन्मभूमि पर विराजमान रामलला के भव्य मंदिर निर्माण का भूमि पूजन करेंगे। जब वह गुजरात में मुख्यमंत्री नहीं थे तब वह राम मंदिर का प्रचार करते थे और राम मंदिर के लिये काम भी करते थे। आज जो कुछ भी हो रहा है प्रधानमंत्री खुद को सौभाग्यशाली समझेंगे और हम लोग भी सौभाग्यशाली हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या में भूमि पूजन करने आ रहे हैं। भूमि पूजन का विरोध करने वालों पर निशाना साधते हुए कटियार ने कहा ''हाथी चलता रहता है, हम लोग देखते रहते हैं। भूमि पूजन केवल मोदी करेंगे और कोई नहीं करेगा, क्योंकि प्रधानमंत्री के रहते हुए अदालत का निर्णय भी आ गया है और राम मंदिर निर्माण का सारा श्रेय देश के प्रधानमंत्री को जाता है।

जन्मभूमि को कोरोना से बचाने की कवायद

रामलला के मुख्य पुजारी आइसोलेट हुए

जिस रास्ते से गुजरेंगे पीएम, उस 1 किमी को सैनिटाइज किया, सुरक्षा में सिर्फ 45 से कम उम्र के पुलिसवाले होंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी राम मंदिर के भूमिपूजन के लिए 5 अगस्त को अयोध्या आ रहे हैं। रामभक्त उत्साहित हैं। लेकिन कोरोना के बीच श्रीरामजन्मभूमि को कोरोना फ्री बनाए रखना बड़ी चुनौती है। यही वजह है कि 1 किमी के इस इलाके में मौजूद हर व्यक्ति का कोरोना टेस्ट किया जा रहा है। श्रीरामजन्मभूमि में रामलला की पूजा में लगे सहायक पुजारी के कोरोना पॉजिटिव आने के बाद उनके संपर्क में आए मुख्य पुजारी सतेंद्र दास, सहायक पुजारी अशोक और भंडारी को प्रशासन ने 3 दिन के लिए आइसोलेट कर दिया है। 3 अगस्त तक ये सभी आइसोलेट

रहेंगे। इनकी जांच भी हो चुकी है और रिपोर्ट निगेटिव आई है। यही नहीं जिस एक किलोमीटर के रास्ते से पीएम मोदी गुजरेंगे उसे भी सैनिटाइज किया जा रहा है। साकेत डिग्री कॉलेज में पीएम के लिए हेलिपैड बनाया गया है। यहां से पीएम रामजन्मभूमि तक जाएंगे, जो लगभग एक किमी लंबा है। उस इलाके में लोगों का एंटीजन टेस्ट किया जा रहा है। एसएसपी दीपक कुमार के मुताबिक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के अलावा उनकी पहली प्राथमिकता कोरोना को लेकर है। यही वजह है कि 3 अगस्त से ही अयोध्या की सीमाएं सील हो जाएंगी। साथ ही 5 अगस्त को एक जगह पर 5 से ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक रहेगी। पीएम की सुरक्षा को और पुख्ता करने और उसे कोरोना फ्री करने के लिए जिला प्रशासन ने ऐसे 200 पुलिसकर्मियों को चुना है, जिनकी उम्र 45 साल से कम हो और जिनका टेस्ट निगेटिव आया हो। ऐसे पुलिसकर्मी ही पीएम के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। जिला प्रशासन ने जिले भर में अलग-अलग जगहों पर 10 कोविड सेंटर बनाए हैं जहां लोग फ्री टेस्ट करवा सकते हैं। इनका समय सुबह 10 से 2 और 2 से 5 बजे तक है। जिले में पिछले 24 घंटों में 66 केस सामने आए हैं। जबकि, एक्टिव केस की संख्या 1141 है। प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर अयोध्या में श्री राम अस्पताल को प्रशासन ने आइसोलेशन वार्ड बनाया है। इस वार्ड में 30 बेड प्रधानमंत्री की यात्रा को देखते हुए रिजर्व कर दिया है। गौरतलब है कि 29 जुलाई को श्रीरामजन्मभूमि में काम करने वाले कर्मचारियों समेत पुजारियों का एंटीजन टेस्ट कराया गया था। जिसमें फायर ब्रिगेड के 3 जवान और एक एलआईयू के जवान की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

19 सितंबर से आईपीएल 2020 का आगाज

नयी दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात में आईपीएल के 13वें सत्र के साथ ही महिला टी-20 चैलेंज का आयोजन किया जाएगा लेकिन इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग होने के कारण कई ऑस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ियों ने नाराजगी व्यक्त की है। पुरुष आईपीएल की तरह ही महिला टी-20 चैलेंजर क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन भी संयुक्त राष्ट्र अमीरात (यूएई) में किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने महिला आईपीएल के यूएई में होने की जानकारी दी है। कोरोना वायरस के कारण पुरुष आईपीएल के 13वें सत्र का आयोजन इस बार यूएई में 19 सितंबर से आठ या 10 नवंबर तक कराया जाएगा। इसके लिए हालांकि बीसीसीआई को भारत सरकार की मंजूरी का इंतजार है। सूत्रों के मुताबिक महिला आईपीएल का आयोजन एक से 10 नवंबर तक किया जा सकता है और इसके पहले खिलाड़ियों का शिविर भी लगाया जाएगा। महिला आईपीएल में ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों की खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लेना है। इस विंडो में हालांकि महिला बिग बैश लीग का आयोजन भी होना है जिससे इस टूर्नामेंट का महिला टी-20 चैलेंज से टकराव हो सकता है। बिग बैश का आयोजन 17 अक्टूबर से 29 नवंबर तक होना है। ऐसे में यह देखना होगा कि बोर्ड किस तरह भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट में शामिल कराने का प्रबंध करेगा।

सूचना

समस्त पाठकों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं, इस अवसर पर कार्यालय में दिनांक 03-08-2020 को अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 05-08-2020 को प्रकाशित होगा।

सम्पादक

अयोध्या रेलवे स्टेशन का 104.77 करोड की लागत से होगा विकास

लखनऊ, संवाददाता। आस्था,भक्ति, एवम् आध्यात्म की पावस धरा तथा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन जन्मभूमि अयोध्या नगरी युगों से सम्पूर्ण विश्व के मध्य भक्ति एवम् आस्था का केंद्र बिंदु रही है। कदाचित इस नगरी की यही महत्ता ईश्वर के अनुरागियों एवम् श्रद्धालुओं को बरबस अपनी ओर आकृष्ट करती है एवम् इस पावन भूमि पर नित्यप्रति पूरे विश्व से असंख्य भक्तगणों का इस नगर में आगमन होता है।अपनी इसी महत्ता के कारण अयोध्या नगरी का रेलवे स्टेशन भी भारतीय रेल पर अपना एक विशेष स्थान रखता है एवम् प्रतिदिन अपनी सुगम रेल परिचालन व्यवस्था के द्वारा अनेक गाड़ियों को संचालित करते हुए अनेक यात्रियों का इस नगर में सुविधाजनक आवागमन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका एवम् उत्तरदायित्वों का पूर्ण प्रतिबद्धता से संवहन करता है।अपनी इसी निष्ठा का अनुसरण करते हुए एवम् वर्तमान अयोध्या के परिवेश को दृष्टिगत रखते हुए तथा भविष्य में अयोध्या की महत्ता को ध्यान में रखते हुए मंडल द्वारा अयोध्या रेलवे स्टेशन के संरचनात्मक स्वरूप,यात्री सुविधाओं,स्वच्छता, सौंदर्य तथा विभिन्न वांछित सुविधाओं को उच्च गुणवत्ता के मानकों के साथ उपलब्ध कराने की दिशा में निरन्तर सार्थक प्रयास करते हुए इस स्टेशन को नव स्वरूप से सुसज्जित करने की प्रक्रिया अविराम जारी है।उल्लेखनीय है कि अयोध्या स्टेशन की नवीनतम एवं आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसस्सजित भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है,इस भवन का निर्माण दो चरणों में होगा, प्रथम चरण में प्लेटफॉर्म संख्या 1 व् 2ध्3 में विकास कार्य, वर्तमान सरकुलेटिंग एरिया का विकास व् होल्डिंग एरिया का विकास,दूसरे चरण में नए स्टेशन भवन का निर्माण व अन्य सुविधाओं का निर्माण कार्य, इन सुविधाओं के अन्तर्गत स्टेशन के आंतरिक एवम् बाह्य परिसर का नवीनीकरण करते हुए स्टेशन पर उपलब्ध सुविधाओं में वृद्धि जैसे टिकट काउंटर की संख्या विस्तार,प्रतीक्षालय सुविधा विस्तार,वातानुकूलित 03 विश्रामालय, 17 बेड वाली पुरुष डॉरमेट्री प्रसाधन सहित,10 बेड वाली महिला डोरमेट्री प्रसाधन सहित,एक अतिरिक्त फुट ओवर ब्रिज,फूड प्लाजा,दुकानें,अतिरिक्त शौचालय सहित अन्य वांछित सुविधाओं को उपलब्ध कराने की दिशा में निरन्तर प्रगति कार्य जारी है।इसके अतिरिक्त स्टेशन पर पर्यटक केंद्र,टैक्सी बूथ,शिशु विहार,वी. आई. पी. लाउंज,सभागार तथा विशिष्ट अतिथि गृह समेत अनेक अन्य वांछित सुविधाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित करते हुए निरन्तर निर्माण एवम् विकास कार्य प्रगति पर है। इन समस्त विकास एवम् प्रगति कार्यों को संपादित किया जा रहा है।

ऐशबाग ईदगाह में बक़रीद की नमाज़ अदा करते मौलाना खालिद रशीद।

योगी का बाढ़ राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। राज्य में कोविड-19 के संक्रमण के नियन्त्रण व उपचार के लिए टेस्टिंग का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है। प्रदेश में कल, 01 अगस्त, 2020 को एक दिन में कुल 1,14,822 टेस्ट किए गए। यह टेस्ट आर0टी0पी0सी0आर0, ट्रूनैट मशीनों तथा रैपिड एण्टीजन टेस्ट के माध्यम से किए गए। राज्य में अब तक कोविड-19 के कुल 25,33,631 टेस्ट किए जा चुके हैं। यह जानकारी देते हुए आज यहां एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में विगत 24 घण्टे में कोविड-19 के 3,953 नए मामले आए हैं। साथ ही, कोविड-19 के उपचार के बाद संक्रमण से मुक्त हो चुके 1,861 व्यक्तियों को डिस्चार्च किया गया है। उन्होंने बताया कि पूल टेस्ट के अन्तर्गत 3,460 पूल की जांच की गयी। इसमें 3,175 पूल 05-05 सैम्पल के तथा 285 पूल 10-10 सैम्पल के थे। प्रवक्ता ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 के 38,023 मामले एक्टिव हैं। इनमें से 11,046 मरीज होम आइसोलेशन में हैं। 1,255 मरीजों का प्राइवेट अस्पताल तथा 120 मरीजों का एल-1 सेमीपेड फैसल्टी में इलाज किया जा रहा है। शेष मरीजों को एल-1, एल-2 तथा एल-3 के कोविड डेडीकेटेड अस्पतालों में उपचार हो रहा है। अब तक 53,168 मरीजों का पूरी तरह से उपचार किया जा चुका है। प्रवक्ता ने कहा कि प्रदेश में सर्विलांस की कार्यवाही के अन्तर्गत 2,10,447 टीम के द्वारा 1,51,19,410 घरों का सर्वेक्षण किया गया। इसके तहत 7,64,82,797 लोगों की मेडिकल स्क्रीनिंग की गयी है। उन्होंने बताया कि आरोग्य सेतु एप के माध्यम से 6,42,560 कॉल के माध्यम से लोगों से सम्पर्क किया गया है। 01 अगस्त, 2020 को 'ई-संजीवनी' के माध्यम से 578 लोगों को टेलीमेडिसिन सेवाएं उपलब्ध करायी गयीं। अब तक 15,344 व्यक्ति टेलीमेडिसिन सेवाओं द्वारा लाभान्वित हुए हैं। प्रवक्ता ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 14 जनपदों बाराबंकी, अयोध्या, कुशीनगर, गोरखपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच, आजमगढ़, गोण्डा, बस्ती, मऊ, संतकबीर नगर, सीतापुर, सिद्धार्थनगर तथा बलरामपुर के 455 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं। इनमें से 98 गांव मैरुण्ड हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ के सम्बन्ध में वर्तमान में किसी प्रकार की चिन्ताजनक परिस्थिति परिलक्षित नहीं है। प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री जी ने बाढ़ राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिलाधिकारियों को फसल क्षति का आकलन कर प्रभावित किसानों को तत्काल कृषि निवेश अनुदान दिए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि बाढ़ की आशंका वाले क्षेत्रों में जनता को बाढ़ से बचाव के सम्बन्ध में जागरूक किया जाए तथा लाउडहेलरध्माइक से एलर्ट किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने राज्य स्तर पर स्थापित एकीकृत आपदा नियन्त्रण केन्द्र का 24 घण्टे संचालन किए जाने तथा जनपद स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रूम के माध्यम से बाढ़ की स्थिति की निरन्तर समीक्षा किए जाने के भी निर्देश दिए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जनपदों में 96 बाढ़ शरणालय स्थापित किए गये हैं। विगत 24 घण्टों में 15,550 फूड पैकेट बांटे गए हैं। अब तक कुल 23,150 फूड पैकेट तथा कुल 6,996 खाद्यान्न किट वितरित की गयी हैं। बीते 24 घण्टे में 20,390 मीटर तिरपाल सहित अब तक कुल 50,991 मीटर तिरपाल वितरित किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में वितरित की जा रही खाद्यान्न किट में 10 किलोग्राम आटा, 10 किलोग्राम चावल, 10 किलोग्राम आलू, 05 किलोग्राम लाई, 02 किलोग्राम भुना चना, 02 किलोग्राम अरहर की दाल, 500 ग्राम नमक, 250 ग्राम हल्दी, 250 ग्राम मिर्च, 250 ग्राम धनिया, 05 लीटर केरोसीन, 01 पैकेट मोमबत्ती, 01 पैकेट माचिस, 10 पैकेट बिस्किट, 01 लीटर रिफाइण्ड तेल, 100 टैबलेट क्लोरीन एवं 02 नहाने के साबुन दिए जा रहे हैं।

परिवार की मांग पर संजीत यादव मर्डर केस की होगी सीबाआई जांच

मुख्यमंत्री का आदेश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की कानपुर जनपद के बर्रा से लैब टेक्नीशियन संजीत यादव के अपहरण व हत्या मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी कार्रवाई करने को कहा। परिवार की मांग पर संजीत यादव मर्डर केस की सीबाआई जांच करने की सिफारिश योगी सरकार ने दे दी है। सूबे के सीएम योगी आदित्यनाथ सरकार ने कानपुर के संजीत यादव की अपहरण के बाद हत्या के मामले में रविवार को की सीबीआई जांच कराने का फैसला किया है। उधर संजीत यादव का परिवार अपने बेटे के लिए इंसाफ की मांग कर रहे है। संजीत यादव के परिवार ने सरकार के सामने पांच मांगें रखी हैं। जिसके चलते वह कानपुर के शास्त्री चौक पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे है। परिवार वालों का कहना है कि जब तक इस अपहरण कांड का खुलासा नहीं हो जाता और उन्हें न्याय नहीं मिलता उनका धरना जारी रहेगा। बहन रूचि की मांग है कि संजीत यादव अपहरण व हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराई जाए। उसका भाई जिस भी हालत में हो उसे बरामद कर उन्हें सौंपा जाए ताकि रक्षाबंधन त्यौहार वह अपने भाई की कलाई पर राखी बांध सके। साथ ही उसका कहना है कि पकडे गए आरोपियों का लाई डिटेक्टर और नार्को टेस्ट करवाया जाए। जिससे सच्चाई सामने आ सके। बहन की मांग है कि अपहरण व हत्या में शामिल दोषियों को फांसी की सजा दी जाए। बता दे, सीएम योगी आदित्यनाथ ने संजीत यादव के परिवारीजन के अनुरोध पर सीबीआइ जांच की सिफारिश कर दी है। संजीत यादव के अपहणकर्ताओं ने 26 जून को उसकी हत्या कर लाश पांडु नदी में फेंक दी थी। इसके बाद पुलिस को चकमा देकर 13 जुलाई को 30 लाख की फिरौती भी वसूल ली थी। इस मामले में पुलिस की द्वारा की गई लापारवाही पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन एएसपी अपर्णा गुप्ता तथा सीओ बर्रा मनोज गुप्ता समेत दस पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। गौरतलब है कि कानपुर बर्रा पांच निवासी चमन सिंह यादव के इकलौते 28 वर्षीय बेटे संजीत यादव का 22 जून की शाम को अपहरण हो गया था। दूसरे दिन परिवार के लोगों ने पूर्व थाना प्रभारी रणजीत राय को बेटे के लापता होने की तहरीर दी थी।

आलमबाग कारखाने ने घरेलु स्तर पर ऑसलेशन मॉनीटरिंग सिस्टम रिकॉर्डिंग कार तैयार की

लखनऊ, संवाददाता। कोरोना लॉकडाउन अवधि के दौरान महामारी से निपटने में राष्ट्र को सहयोग देने के लिए उत्तर रेलवे अनवरत प्रयास कर रही है। उत्तर एवं उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने बताया कि उत्तर रेलवे द्वारा कोविड 19 लॉकडाउन,अनलॉक अवधि का उपयोग हर तरह की दक्षता और कार्य-निष्पादन के अवसर बढ़ाने के लिए किया गया है। उत्तर रेलवे के आलमबाग कारखाने ने लखनऊ मंडल के लिए घरेलु स्तर पर ऑसलेशन मॉनीटरिंग सिस्टम रिकॉर्डिंग कार तैयार की है। इन-हाउस फैब्रिकेटेड ओएमसी (ऑसिलेशन मॉनिटरिंग सिस्टम) रिकॉर्डिंग कार नंबर 15734 लखनऊ मंडल के लिए तैयार की गई है। अब मंडल अपने डी एवं ई श्रेणी के मार्गों की ट्रैक राइडिंग क्वालिटी की निगरानी में आत्मनिर्भर हो जाएगा। इसी कार पर ओएमएस सिस्टम का उपयोग करने से ट्रैक निगरानी की प्रभावकारिता और विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। इस ओएमएस रिकॉर्डिंग कार के दोनों सिरों पर बड़ी निरीक्षण खिड़कियों वाले निरीक्षण लाउंज हैं। इसमें मॉड्यूलर किचन, डबल बेड रूम हैं, जिनके साथ बाथरूम संलग्न हैं। यह उल्लेख करना उचित है कि ऑसलेशन मॉनीटरिंग सिस्टम रिकॉर्डिंग कार में पटरियों और रेलवे वाहनों की स्थिति का पता लगाने के लिए अत्याधुनिक प्रणाली लगाई गई है। ओएमएस किसी भी इच्छित स्थान पर लगातार गति में रहते हुए गाड़ी के पर्श्व पर ऊर्ध्वाधर और पार्श्व त्वरण को मापता है। ओएमएस तकनीक ने हाई स्पीड ट्रेन की सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई क्योंकि यह ट्रैक की निरंतर निगरानी कर सकता है।

बहनो को आत्मनिर्भर बनाने की सीख देती लघु फिल्म प्रोटेक्शन का हुआ यूट्यूब पर प्रीमियर

लखनऊ, संवाददाता। रक्षाबंधन का त्यौहार आपको कई चीजे सिखाता है, उसी मे से एक चीज है अपनी बहन को इस तरह प्रेरित करना की वो अपनी रक्षा खुद कर सके. इसी को ताने बाने मे लेकर अवार्ड विनिंग निर्देशक डॉ विपिन अग्निहोत्री ने अपनी लघु फिल्म प्रोटेक्शन का प्रीमियर आज यूट्यूब पर किया,डॉ विपिन अग्निहोत्री के मुताबिक हमारे बड़े बुजुर्गो ने हमेशा यह बताया है की अपनी बहन की रक्षा करो, ये तुम्हारा धर्म है पर आज 2020 मे रक्षा करने से ज्यादा ये जरूरी है है की हम अपनी बहनो को खुद इतना मजबूत बनाये की वो किसी भी स्तिथि का सामना कर सके,लघु फिल्म ष्प्रोटेक्शनष् की निर्माता डॉ सुकांक्षा आर्या के मुताबिक इस तरह की फिल्मे हमे यह सोचने पर मजबूर कर देती है की क्या हम समाज को एक ही ढर्रे पर चलने दे या फिर उसमे एक सकारात्मक बदलाव ला कर इस दुनिया को और अच्छी जगह बनाये।

चिश्ती विश्वविद्यालय में नियुक्तियों में धांधली का आरोप

नागरिक अधिकार परिषद् के अध्यक्ष रफी अहमद ने जाँच की मांग आरक्षण गलत पद्धति से लागू किया जा रहा है

लखनऊ, संवाददाता। नागरिक अधिकार परिषद् के अध्यक्ष रफी अहमद ने आरोप लगाया है कि ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय प्रशासन शैक्षिक पदों पर नियुक्तियों हेतु प्रस्तवित साक्षात्कार में खुले आम नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए आतुर है। इस सम्बंध में उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व उ0प्र0 की राज्यपाल को भी पूर्व में पत्र भेजकर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इन पदों पर अपनायी गयी आरक्षण प्रणाली पर भी कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि आरक्षण लागू किये जाने हेतु विभागों का व्यवस्थिकरण उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा जारी सम्बंधित शासनादेश में सुझाए गए हिन्दी वर्णमाला के क्रम के अनुसार नही किया गया है। यह बात उन्होंने अपने कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में कही। प्रारम्भ के पांच विभागों आरक्षण का व्यवस्थिकरण उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश के अनुसार नहीं है। उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश में सुझाए गई रोस्टर प्रणाली का भी कोई ध्यान न रखते हुए उसका खुला उल्लघन किया गया है। विज्ञापित कुल पैतालिस पदों मे आर्थिक कमजोर वर्ग के लिए अधिकतम चार पद आरक्षित होने चाहिए, जबकि विज्ञापन में सात पद आरक्षित किए गए है, जिसके कारण सम्पूर्ण विज्ञापित पदों की आरक्षण व्यवस्था बिगड़ गई है अर्थात जिस श्रेणी के लिए जितने पद आरक्षित होने चाहिए नहीं आरक्षित हुए हैं। इस सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया में विश्वविद्यालय प्रशासन की नीति और नियत ठीक नजर नहीं आती है और भ्रष्टाचार की मंशा स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की राज्यपाल व कुलाधिपति ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय महोदया से मामले में संज्ञान लेते हुए जांच कराकर और उचित कार्यवाही करने की माँग की है।

अखिलेश यादव ने अमर सिंह के निधन पर शोक जताया

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राज्यसभा सांसद अमर सिंह के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना भी व्यक्त की है। श्री यादव ने अमर सिंह के निधन को अत्यंत दुःखद बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी है। अमर सिंह (64वर्ष) अपने पीछे पत्नी तथा दो पुत्रियों का परिवार छोड़ गए हैं। किडनी की लम्बी बीमारी के चलते उनका आज सिंगापुर में निधन हो गया।

अखिलेश यादव ने निधन पर शोक जताया

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मिर्जापुर जनपद के पुराने समाजवादी नेता तथा लोकतंत्र रक्षक सेनानी अरूण कुमार दुबे तथा अम्बेडकरनगर के समाजवादी पार्टी के जिला सचिव तथा पूर्व विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष कैलाश नाथ निषाद के निधन पर गहरा शोक जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की है। अरूण कुमार दुबे (75वर्ष) काफी समय से बीमार थे और कोरोना पॉजिटिव भी पाए गए थे। वे मिर्जापुर नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष भी रहे थे। वे जीवन भर अविवाहित रहे। आपातकाल के विरोध में उन्होंने जेल यातना भी सही थी। कैलाश नाथ निषाद समाजवादी पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे थे। वर्ष 2011 में 21 दिनों तक फैजाबाद मण्डल कारागार में भी निरूद्ध रहे थे।

मुख्यमंत्री ने अनुपम श्याम के इलाज के लिए 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतेन्दु नाट्य अकादमी के कलाकार अनुपम श्याम को इलाज के लिए 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। यह जानकारी आज यहां एक शासकीय प्रवक्ता ने देते हुए बताया कि यह सहायता मुख्यमंत्री सहायता कोष से उपलब्ध कराई जाएगी। प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने श्री अनुपम श्याम के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। ज्ञातव्य है कि अनुपम श्याम फिल्म एवं टेलीविजन के लोकप्रिय कलाकार हैं। प्रतापगढ़ जनपद के निवासी श्री श्याम किडनी की बीमारी से संघर्ष कर रहे हैं। डॉक्टरों ने उन्हें किडनी ट्रांसप्लाण्ट कराने की सलाह दी है।

महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारतीय कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रदेश में बढ़ती आपराधिक घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा है। पत्र में महासचिव प्रियंका गांधी ने लिखा कि पिछले दिनों मैंने एक पत्र के माध्यम से प्रदेश में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करने की कोशिश की थी। दिन दहाड़े आम लोगों के साथ घट रही आपराधिक घटनाओं के चलते प्रदेश के आमजनों के मन में एक डर का भाव बैठ गया है। उप्र में क्राइम और कोरोना दोनों बेलगाम हो चुके हैं। उत्तर प्रदेश की प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव ने पत्र में कहा है कि मैंने लोगों को कहते सुना है कि उप्र में अपहरण एक उद्योग बन चुका है और हत्या एक रोजनामचा। लूट एवं बलात्कार की घटनाओं से प्रदेश दहल उठा है। यह सब सिर्फ एक चीज की तरफ इशारा करता है कि किसी न किसी कारण अपराधी बेखौफ हैं और शासन-प्रशासन का इकबाल खत्म हो गया है। उन्होंने संभल जिले में हुई एक आपराधिक घटना का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री को लिखा है कि एक बार पुनः एक घटना के माध्यम से पूरे प्रदेश में कानून-व्यवस्था की लचर स्थिति की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूँ। संभल जिले के चंदौसी में रहने वाले रामौतार शर्मा इफ्को किसान सेवा केंद्र से सेवानिवृत्त थे और गाँव बिचेटा चौराहे पर एक खाद की दुकान चलाते थे। 30 जुलाई 2020 की शाम को दुकान से वापस जाते वक्त बदमाशों ने रामौतार शर्मा व उनके बेटे पर गोली चलाई व उनके पैसे लूट लिए। इस घटना में रामौतार शर्मा की मृत्यु हो गई और उनके बेटे बाल-बाल बचे। इस घटना से पूरे क्षेत्र में रोष व्याप्त है। प्रियंका गांधी ने पत्र में मांग कीं हैं कि जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ कर रामौतार शर्मा के परिवार को न्याय दिला जाए। साथ ही साथ रामौतार शर्मा जी के परिवार के लिए आर्थिक मदद की भी प्रदेश सरकार घोषणा करें।

आराधना मिश्रा ने कहा कमला रानी वरुण के आकस्मिक निधन से पीड़ा हुई

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी एवं आराधना मिश्रा, नेता, कांग्रेस विधान मण्डल दल,उ.प्र. ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार की प्राविधिक शिक्षा मन्त्री कमला रानी वरुण के आकस्मिक निधन से हमें गहरा दुःख एवं पीड़ा हुई है । नेता द्वय ने कहा है कि कमला रानी एक मृदुभाषी सरल एवं सौम्य स्वभाव की सहृदय महिला थी, जिनका संपूर्ण जीवन गरीबों एवं असहाय लोगों के लिये समर्पित रहा, चाहे विधायक के रूप में रही हो और चाहे मन्त्री के रूप में रही हों, उन्होंने पूरे प्राण प्रण से जनता की सेवा की । उनके आकस्मिक निधन से प्रदेश की जहाँ अपूर्णनीय क्षति हुई है वहीं गरीबों एवं मजलूमों की मसीहा सदा सर्वदा के लिये उनसे दूर हो गयी है। हम उनको अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये ईश्वर से प्रार्थना करते है कि उनके परिवार को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें, तथा मृतक आत्मा को चिरशांति प्रदान करें।

अखिलेश ने ईदगाह पहुंचकर ईदुज्जुहा की बधाई दी

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज ईदगाह, लखनऊ पहुंचकर मुस्लिम भाइयों को ईदुज्जुहा की बधाई दी। ईदगाह के तैयब हाल में उन्होंने मुस्लिम समाज के प्रतिनिधि मौलानाओं तथा अन्य प्रतिष्ठित लोगों से मुलाकात की। मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली ने अखिलेश यादव का इस्तकबाल किया। श्री अखिलेश यादव के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी भी थे। स्मरणीय है, फिरंगीमहल लखनऊ का वह ऐतिहासिक स्थल है जहां 1921 एवं 1926 ई. में महात्मा गांधी जी आकर ठहरे थे। अब्दुल मजीद फिरंगीमहली और मौलाना अब्दुल बारी फिरंगी महली दो शख्सियतें थीं जिन्होंने गांधी जी की मेहमान नवाजी की। स्थानीय ईदगाह 300 वर्ष से वजूद में है।इस मौके पर मौलाना खालिद रशीद फिरंगीमहली सहित मौलाना नईउर रहमान, एजाज अहमद, रशीद मिनाई, तारिक खान, मो0 यामीन खान, शराफत, सूफियान मौलाना, नईम अहमद, अदनान खान, सऊद रईस, सैफ, सलमान तथा रिजवान की मौजूदगी खास रही। ईदगाह जाते हुए श्री अखिलेश यादव ने नाका हिण्डोला फ्लाई ओवर के अभी तक न बनने पर दुःख और क्षोम व्यक्त किया। लखनऊ में भाजपा सरकार का इकलौता यह फ्लाई ओवर हुसेनगंज चौराहे से नाका हिण्डोला होते हुए ईदगाह तक जाएगा। यह फ्लाई ओवर तीन वर्ष से बन रहा है किन्तु अभी तक अधूरा है, पता नहीं कब पूरा होगा? भाजपा सरकार ने सड़कों के गड्ढे भरने की जगह उनकी तादाद और बढ़ा दी है। जनता इससे परेशान है। अखिलेश यादव ने उपस्थित लोगों से चर्चा करते हुए कहा कि कोरोना की महामारी से बचाव के लिए हमें सावधानी बरतनी चाहिए। मास्क लगाकर और आपस में दूरी बनाकर हमें अपनी सुरक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और स्वास्थ्यकर्मियों ने कोरोना संकट में प्रशंसनीय कार्य किया है जबकि उनके स्वास्थ्य के लिए भी चुनौती कम नहीं है। डॉक्टरों, विधायकों को कोरोना पीड़ित होने पर भी बेड नहीं मिल रहा है। क्या यही भाजपा सरकार की कोरोना से निपटने की तैयारी है? श्री यादव ने यह भी कहा कि साढ़े तीन वर्षों के कार्यकाल में भाजपा सरकार ने कोई काम नहीं किया। आपसी सद्भाव बिगड़ा है। विकास कार्य रूक गए हैं। प्रदेश में लॉकडाउन के दौरान श्रमिकों का विस्थापन बड़े पैमाने पर हुआ है। लोगों की रोजी-रोटी छूटी है। बेकारी बढ़ी है। अर्थव्यवस्था नीचे चली गई है। स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हुई हैं। समाजवादी सरकार द्वारा लखनऊ में निर्मित कैंसर इंस्टीट्यूट को अभी शुरू नहीं किया गया। गोरखपुर में समाजवादी सरकार में 500 बेड का अस्पताल बना था। वह भी भाजपा सरकार चालू नहीं कर सकी। गोरखपुर में ही एम्स अस्पताल के लिए समाजवादी सरकार ने कीमती जमीन दी थी, उसके निर्माण में भी भाजपा सरकार की लापरवाही सामने आ चुकी है। इसके अलावा प्रदेश में मरीजों के लिए 108 एम्बूलेंस तथा महिला प्रसूताओं के लिए 102 एम्बूलेंस सेवाएं भी भाजपा राज में बर्बाद होकर रह गई हैं। प्रदेश में गम्भीर रोगों दिल, लीवर, कैंसर, किडनी के इलाज की समाजवादी सरकार में मुफ्त व्यवस्था की गई थी।

मनरेगा में काम न मिलने से प्रवासी श्रमिकों के सामने दो जून की रोटी का खड़ा हुआ संकट

➲ 40 गांवों में अभी मनरेगा के नहीं शुरू हुए काम, न के बराबर मिल रहा काम, कस्बों व जिला मुख्यालय का करना पड़ रहा रुख
➲ 17230 प्रवासियों को अभी भी काम की है तलाश, जिले की 840 ग्राम पंचायतों में आए हैं 795 प्रवासी श्रमिक

फतेहपुर, । कोरोना संक्रमण के बाद घरों को लौटे प्रवासी श्रमिकों के सामने अब रोजी रोटी की समस्या खड़ी हो रही है। गांव स्तर पर श्रमिकों को काम दिलाने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) में मजदूरों को पर्याप्त काम नहीं मिल पा रहा है। जिले के 13 विकास खंडों की 840 ग्राम पंचायतों में 2,91,472 जॉब कार्ड धारी मजदूर हैं। इनमें 40,458 जॉब कार्डधारी प्रवासी मजदूर हैं लेकिन अभी 40 ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जिनमें मनरेगा के तहत काम ही शुरू नहीं किया गया। 23,228 मजदूरों को ही मनरेगा के तहत काम मिल सका है। अभी भी 17,230 मनरेगा में दर्ज प्रवासी श्रमिकों को काम की तलाश है। हलांकि जिलाधिकारी संजीव सिंह ने मनरेगा के तहत हर ग्राम पंचायत पर काम शुरु करा प्रवासियों को हर हाल में काम देने के निर्देश दे रखे हैं लेकिन बड़ी तादाद में प्रवासी श्रमिक अभी भी काम से दूर हैं। जिसके चलते उन्हें दो वक्त की रोटी के लाले पड़ रहे हैं। काम की तलाश में कई मजदूरों को शहर व कस्बों की ओर रुख करना पड़ रहा है। जिले के ऐरायां विकास खंड में 56 ग्राम पंचायत ऐसी है जहां प्रवासी मजदूर आए हैं लेकिन अभी भी 7 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत काम ही शुरू नहीं किया गया। यहां 3854 प्रवासियों के सापेक्ष केवल 2400 श्रमिकों को ही काम दिया जा सका है। अमौली विकास खंड की 52 ग्राम पंचायतों में 2282 प्रवासी श्रमिक पंजीकृत हैं। यहां सभी श्रमिकों को काम तो दिया गया है लेकिन उतना काम नहीं मिल पा रहा है जिससे उनके घरों का चूल्हा दोनों वक्त जल सके। असोथर विकास खंड की 47 ग्राम पंचायतों में 3633 प्रवासी श्रमिक अपने वतन को लौट कर आए हैं लेकिन 2985 मजदूर ही मनरेगा के तहत काम कर रहे हैं। बहुआ विकास खंड की 59 ग्राम पंचायतों में 2643 प्रवासी मजदूर पंजीकृत हुए हैं। इनमें अभी 13 ग्राम पंचायतें ऐसी है जहां मनरेगा के तहत काम ही नहीं हो रहा। इसी का नतीजा है कि 1503 प्रवासियों को ही यहां काम दिया जा रहा है।

भिटौरा विकास खंड की 81 ग्राम पंचायतों में 3580 प्रवासी घरों को लौट कर आए हैं लेकिन 2058 श्रमिक ही मनरेगा के तहत काम पाए हैं बाकी के मजदूरों को काम की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। देवमई विकास खंड 49 ग्राम पंचायतों में 2242 श्रमिकों को पंजीकृत किया गया है। जो गैर प्रांतों से वापस अपने घरों को लौटे हैं लेकिन यहां हालात बद से बदतर है। केवल 280 प्रवासी ही ऐसे हैं जिन्हें मनरेगा के तहत काम दिया जा रहा है। धाता विकास खंड के 68 ग्राम पंचायतों में 3571 प्रवासी श्रमिक दर्ज किए गए हैं। इनमें 1620 श्रमिक ऐसे हैं जिन्हें मनरेगा के तहत काम दिया गया है। वहीं 2 ग्राम पंचायतों में अभी काम ही नहीं शुरू है। हसवां विकास खंड के 58 ग्राम पंचायतों में 3587 श्रमिकों में 1940 को ही काम दिया गया है। हथगांव की 75 ग्राम पंचायतों में 3775 श्रमिक पंजीकृत किए गए हैं लेकिन 2975 प्रवासी श्रमिक ही ऐसे हैं जिन्हें मनरेगा के तहत काम दिया जा रहा है। यहां 11 ग्राम पंचायतों में मनरेगा के तहत काम ही शुरू नहीं हुआ है। खजुआ विकास खंड के 57 ग्राम पंचायतों में 3242 श्रमिक अपने प्रान्त को लौट कर आए हैं और 1451 ही काम पा रहे हैं। बाकी के प्रवासी काम न मिलने के चलते घरों में बैठने को मजबूर हैं। मलवां विकास खंड की 72 ग्राम पंचायतों में 737 पंजीकृत श्रमिकों को काम दिया जा रहा है लेकिन न के बराबर मिल रहे काम से उनके सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो गया है। तेलियानी विकास खंड की 57 ग्राम पंचायतों में 2341 प्रवासी श्रमिक कोरोना के चलते वापस आए हैं इनमें 972 श्रमिक ही ऐसे हैं जिन्हें का काम मुहैया कराया जा रहा है।

विजयीपुर विकास खंड की 64 ग्राम पंचायतों में 4971 प्रवासी श्रमिकों को पंजीकृत किया गया हैं, और इनमें 7 ग्राम पंचायतें ऐसी हैं जहां मनरेगा के तहत काम ही नहीं चल रहा। 2025 जॉब कार्डधारी श्रमिक ही ऐसे हैं जिन्हें गांव स्तर पर काम दिया गया है। पूरे जिले में 23,228 प्रवासी श्रमिकों को ही अब तक काम दिया जा रहा है। 17,230 प्रवासी श्रमिक ऐसे हैं जिन्हें अभी भी काम की तलाश है। ग्रामीण विकास मंत्रालय को हाल ही में भेजी गई रिपोर्ट में यह सामने आया है कि शासन-प्रशासन भले ही दिशा निर्देश जारी कर रहा हो लेकिन विकास खंड व ग्राम पंचायत स्तर पर मनमानी जारी है। इसी का नतीजा है कि 795 ग्राम पंचायतों में 40,458 प्रवासी श्रमिक लौट कर घर आए हैं उन्हें जॉब कार्ड से आच्छादित किया गया है लेकिन 17 हजार से अधिक प्रवासी श्रमिक ऐसे हैं जिन्हें अभी भी काम की तलाश है। काम न मिलने के चलते श्रमिकों को गांव के बाहर कस्बा व जिला मुख्यालय तक मजदूरी की तलाश में आना पड़ता है। जिलाधिकारी संजीव सिंह ने प्रवासी श्रमिकों को हर हाल में काम मुहैया कराने के लिए विभागों को निर्देश दिए हैं। खासकर मनरेगा के तहत काम करने वालों को हर हाल में काम दिए जाने को कहा है। इतना ही नहीं प्रशासन श्रमिकों को दिए जाने वाले कामों की रिपोर्ट हर दिन मांग रहा है। जिम्मेदार मनमानी व उदासीनता पर उतारू हैं जिसके चलते हैं प्रवासी श्रमिकों के सामने दो वक्त की रोटी का संकट खड़ा हो रहा है।

डीएम के निर्देश पर भरा गया मिठाई का सैंपल

फतेहपुर, । जिलाधिकारी जिलाधिकारी के निर्देश पर आज भी शहर फतेहपुर के कई प्रतिष्ठानों/मिठाई की दुकानों में मिलावट व कोविड-19 के दृष्टिगत छापेमारी की गई। उक्त के क्रम में उपजिलाधिकारी सदर प्रमोद झा ने नायब तहसीलदार नगर डॉ0 सन्तराज सिंह के साथ छोटे लाल यादव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी फतेहपुर व राकेश गौर, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक नगर पालिका फतेहपुर मय पुलिसबल भेजा। टीम ने द्विवेदी रेस्टोरेंट्स शादीपुर चौराहा, बालाजी स्वीट हाउस रेल बाजार शादीपुर चौराहा, लोकनाथ स्वीट हाउस वर्मा चौराहा, श्री बालाजी राजस्थान स्वीट हाउस वर्मा चौराहा आदि में गन्दगी तथा पॉलीथिन पाए जाने व मास्क न लगाने के कारण क्रमशः रुपया 3000, 3000, 2000, 4000 कुल रुपया बारह हजार का जुर्माना वसूला गया। राजस्थान स्वीट हाउस में समर सिंह व शांतनु कारीगर बिना मास्क पाए गए। उपरोक्त प्रतिष्ठानों से खाद्य एवं सुरक्षा विभाग द्वारा छेना, बर्फी व मिठाई का सैंपल लेकर भी जांच हेतु क्षेत्रीय खाद्य विश्लेषण प्रयोगशाला गोरखपुर भेजा जा रहा है।

कोरोना पॉजिटिव का एक और केस मिलने के बाद की गई बैरिकेडिंग

बिंदकी (फतेहपुर), । नगर में कोरोना वायरस संक्रमण थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसी के चलते एक और कोरोना पॉजिटिव केस मिलने के बाद कंटेनमेंट एरिया को बैरिकेडिंग कल सील कर दिया गया। राजस्व विभाग तथा नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने कंटेनमेंट जोन का निरीक्षण भी किया तथा लोगों से कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव की अपील भी किया। नगर में कोरोना वायरस संकट का प्रभाव लगातार बढ़ता जा रहा है। तमाम दायित्व के बाद भी लोग बेवजह घरों से बाहर निकलते हैं। सामाजिक दूरी का पालन भी नहीं करते और तमाम लोग मास्क भी नहीं लगाते। जिसके कारण कोरोना वायरस संक्रमण में रोकथाम नहीं लग पा रही है। इसी के चलते नगर के मोहल्ला मीरखपुर खरियाही मंदिर के समीप एक और युवक का कोरोना पॉजिटिव निकला है जिसकी पुष्टि जिला अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने किया है। इसके बाद से ही नगर पालिका परिषद तथा तहसील प्रशासन सक्रिय हो गया और नगर पालिका परिषद के सफाई इन्स्पेक्टर राजेंद्र सिंह तथा कस्बा लेखपाल भान सिंह ने मौके पर जाकर कंटेनमेंट जोन को बैरिकेडिंग कर सील करा दिया। उन्होंने नगर के मोहल्ला घियाही गली, मेन बाजार, खजुहा चौराहा, ठठराही नई कॉलोनी, पैगंबरपुर इलाहाबाद बैंक के समीप बने कंटेनमेंट जोन का भी निरीक्षण किया। लोगों को हिदायत देते हुए अपील किया कि कंटेनमेंट जोन में आवागमन ना करें वरना कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा हो सकता है। अपील की गई कि बहुत आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकले। सामाजिक दूरी का पालन करें, मॉस्क भी अवश्य लगाएं रहे तथा समय-समय पर हाथों को साफ करते रहें।

फीस माफी की मुहिम को एक और सफलता

खागा (फतेहपुर), । नगर के सरस्वती शिशु मन्दिर एवं सरस्वती विद्या मंदिर द्वारा 6 से 8 तक के सभी विद्यार्थियों की तीन-तीन माह की फीस को माफ किया। व्यापार-मण्डल (कंछल-गुट) द्वारा चलाई जा रही अभिवावकों के हित में मुहिम को रोज सफलता मिल रही है। अध्यक्ष शिवचन्द्र शुक्ल ने अभिवावकों के हित में निर्णय लेने वाले सभी विद्यालयों के प्रति दिल से आभार जताया। नगर के दो बड़े स्कूल सरस्वती विद्या मंदिर एवं सरस्वती शिशु मंदिर ने अपने अभिवावकों को आर्थिक रूप से राहत देते हुए, तीन-तीन माह (अप्रैल, मई, जून) माह की फीस को पूर्णतया माफ कर दिया है। यह जानकारी व्यापार मंडल के अध्यक्ष शिवचन्द्र शुक्ल ने देते हुए कहा कि हम इसके दोनों विद्यालय परिवार के प्रबंध समिति व प्रधानाचार्यों एवं अध्यापक बन्धुओं के प्रति दिल से आभार व्यक्त करते हुये, शीघ्र ही एक समारोह करके सभी का सम्मान भी करेंगें।

राष्ट्रवादी पार्टी की बैठक में विस चुनाव पर चर्चा

फतेहपुर, । राष्ट्रवादी पार्टी ऑफइंडिया युवा मोर्चा की बिंदकी विधानसभा कार्यकारिणी की बैठक संपन्न हुई। जिसमें की 2022 चुनाव पर भी चर्चा की गई। जिसमें समस्त पदाधिकारियों को पार्टी की विचारधारा को अवगत कराया गया। राष्ट्रवादी पार्टी ऑफ इंडिया भारत की सबसे बड़ी आरक्षण विरोधी पार्टी है। जिसमें बिंदकी विधानसभा से प्रत्याशी पवन द्विवेदी को चुना गया। जिसमें सभी पदाधिकारी मौजूद रहे। पवन द्विवेदी, प्रदेश सचिव युवा मोर्चा विष्णु द्विवेदी, विधानसभा अध्यक्ष बिंदकी अजीत सिंह गौतम, जिला उपाध्यक्ष फतेहपुर ठाकुर अनुराग सिंह, जिलाध्यक्ष फतेहपुर योगी सभरजीत सिंह, जिला सचिव फतेहपुर सोनू कुशवाहा, जिला महासचिव फतेहपुर रवि कुमार, जिला सचिव फतेहपुर शुभम सिंह, विधानसभा सचिव बिंदकी ठाकुर विकास सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष तेलियानी अभिषेक शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष खजुहा की मौजूदगी में पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक संपन्न की गई।

मास्क न पहनने पर लगाई फटकार, किया जुर्माना

बिंदकी (फतेहपुर), । कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए प्रशासन लगातार प्रयासरत है। इसी के चलते लोगों की भीड़ नहीं होने दी गई। सामाजिक दूरी का पालन करने के निर्देश दिए गए, जो लोग मास्क नहीं लगाई मिले उनको फटकार लगाई गई। उन पर जुर्माना भी किया गया। कोरोना वायरस संक्रमण लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है कि लोग सामाजिक दूरी का पालन करें। मास्क भी लगाए लेकिन कुछ लोग हैं कि मानने का नाम नहीं ले रहे। इसी के चलते रविवार को भी सुबह तहसीलदार गणेश सिंह यादव नगर के कुंवरपुर रोड स्थित सब्जी मंडी पहुंचे। थोक में सब्जी बेच रहे दुकानदारों तथा खरीदारों को सख्ती से निर्देश दिए कि हर हाल में भीड़ नहीं होना चाहिए। सामाजिक दूरी का पालन करें, कई दुकानदारों को फटकार भी लगाई गई, कुछ लोग बिना मास्क के मिले। ऐसे लोगों को फटकार लगाई गई, जुर्माना भी किया गया। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में मंडी में भीड़ नहीं बढ़ने पाई। सुबह 08 बजे तक पूरी मंडी खाली हो गई। इस मौके पर कस्बा लेखपाल भान सिंह, नगर पालिका परिषद के कर्मचारी तथा पुलिस बल मौजूद रहा।

कोविड-19 के चलते त्योहारों का रंग फीका

फतेहपुर, । इस बार राखी की दुकानों में ज्यादा भीड़ देखने को नहीं मिल रही है क्योंकि कोरोना संक्रमण के चलते तमाम बहनें ना तो अपने भाईयों के यहां आ पा रही हैं और ना ही भाई अपने बहनों के यहां जा पा रहे हैं। यही कारण है कि इस बार राखी की दुकानों में भीड़ का टोटा दिखाई पड़ रहा है। दुकानदारों से बात करने पर पता चला कि इस बार उनकी राखी न के बराबर बिक रही हैं हालांकि दुकानदारों ने यह बात जरूर कहा कि इस बार धागा ज्यादा बिक रहा है। वहीं कुछ दुकानें में तो सन्नाटा ही पसरा दिखाई पड़ा। दुकानदारों ने कहा कि कोरोना संक्रमण के चलते जहां जगह-जगह बैरिकेडिंग है। यह भी राखी की दुकानों में भीड़ इकट्ठा न होने का कारण है। तमाम बहनें घरों से बाहर इसीलिए नहीं निकल रही हैं। वहीं फेरीवाले मोहल्ले-मोहल्ले फेरी लगाकर धागा बेच रहे हैं।

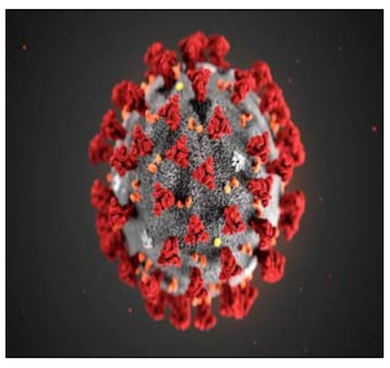

उसको भी बड़ी मात्रा में बहनें खरीद रही है। यही कारण है कि इस बार दुकानों में बहनों द्वारा राखी खरीदने की संख्या नै के बराबर है। तमाम दुकानदारों ने यह भी बताया कोरोना संक्रमण के चलते इस बार राखी का त्यौहार फीका ही नजर आ रहा है और वह ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि यह करोना जल्दी समाप्त हो ताकि अगले वर्ष जमकर राखी की बिक्री हो सके क्योंकि राखी कोई खराब होने वाली वस्तु नहीं है इसलिए इसे हम अगले वर्ष भी आसानी से बेंच सकते हैं।

रामराज्य की शुरुआत का दावा भ्रामकः सुधाकर

फतेहपुर, । लोकमंगल परिषद के अध्यक्ष सुधाकर अवस्थी नहीं राम लला मंदिर निर्माण से रामराज्य युग की शुरुआत का दावा करना जनता को भ्रमित करने वाला बताते हुए कहा कि राम राज्य की स्थापना कथनों से कदापि नहीं किया जा सकता है। राम राज्य की स्थापना तो सदाचरण मर्यादा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में रामराज्य युग का दावा करने वाले ऐसे शासक जो अन्याय अत्याचार व असत्य को पोषित कर रहे हैं, उनके द्वारा राज्य की स्थापना की आशा करना निहायत मूर्खता और मुंगेरीलाल के हसीन सपने जैसा है। उन्होंने कहा कि राम राज्य की बातें केवल सत्ता हथियाने सत्ता में बने रहने के लिए होती हैं। हर चरण में रामराज्य का कोई नामो निशान नहीं होता। एक गांव को आदर्श गांव का स्वरूप नहीं दे पाए किंतु राम राज्य की स्थापना का है। उन्होंने कहा कि जो शासक अपने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानकर उनकी जांच कराने का साहस रखता हो, उसके मुख से रामलला मंदिर निर्माण से रामराज युग की स्थापना की बातें जनता को भ्रमित करने वाली व छलने वाली हैं। उन्होंने कहा कि प्रवचन व कथन से राम राज्य की स्थापना नहीं होती है। उन्होंने कहा कि गरीबों की संपूर्ण रक्षा न कर पाने व लोकमत का सदैव आदर करने वाली सरकारों से देश में राम राज्य की स्थापना की आशा व अपेक्षा करना देशवासियों की दृष्टि में कोरी कल्पना व बकवास है।

दो महीने से पानी पीने के लिए तरस रहे कस्बावासी

हसवा (फतेहपुर), । विकास खण्ड के थरियांव कस्बे में दो महीने से पानी पीने की किल्लत है। थरियांव कस्बे में कुल तीन हैण्ड पाइप लगे हैं। जिनकी पानी माह में ही हलक सूख गई है। जिसकी मरम्मत कराना शायद ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विशुनदयाल लोधी भूल गए हैं। कस्बावासियों के कई बार कहने के बावजूद कोई सुनवाई नही हुई। आज भी हैंडपंप ठूंठ बने खड़े हुए हैं और पानी टंकी की दो महीने से मोटर फुंकी पड़ी हुई है। हेड टैंक सूखा पड़ा है। कस्बावासी इधर उधर से पानी पीने का बन्दोबस्त करके गुजारा कर रहे हैं। वह भी जिसके घर पानी लेने जाते हैं वहां भी चार बातें सुनते हैं। लोगों के सामने बहुत बड़ी समस्या खड़ी है। लोग परेशान हैं।

विद्यार्थी के समग्र विकास की अपेक्षाओं को मूर्त रूप देगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: अभाविप

फतेहपुर, । राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020, 21वीं सदी के युवाओं के समग्र विकास का व्यवहारिक खाका है। इस शिक्षा नीति में विद्यार्थी के व्यक्तित्व एवं कौशल विकास, व्यावसायिक चेतना, मानसिक स्वास्थ्य, वैज्ञानिक एवं गहन सोच, प्राइमरी तक स्थानीय या मातृभाषा में शिक्षा, संगीत, कला, खेल, विज्ञान, कॉमर्स आदि विधाओं/विषयों को रुचि के अनुसार पढ़ने का अवसर प्राप्त होना महत्वपूर्ण हैं। आधुनिकता के समन्वय से वैज्ञानिक सोच युक्त ज्ञान आधारित समाज के निर्माण को यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति मूर्त रूप देगी। शिक्षा क्षेत्र में लैंगिक समानता, छात्रवृत्ति, निजी शैक्षिक संस्थानो में शुल्क के नियंत्रणीकरण, निजी एवं सरकारी संस्थानो में समान कोर्स, मूल्यांकन के नए मानक तय करने आदि बिंदुओं पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विस्तृत कार्ययोजना का समावेश छात्र हित में हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के माध्यम से भारतीय मूल्यों के अनुरूप

शिक्षा में नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास तथा रोजगारोन्मुखता का समावेश प्रशंसनीय है। राष्ट्रीय साक्षरता तथा सकल नामांकन पाठ्यचर्या में भविष्य की आवश्यकताओं का ध्यान, बजट आवंटन जीडीपी का कुल 6 प्रतिशत रखने, शोध, रोजगार, व्यवसाय, विषय विशिष्टता, खेल तथा अन्य पाठ्येतर गतिविधियों को महत्व देने, सार्वजनिक शिक्षा क्षेत्र को मजबूती देने, बहु-विषयक शैक्षिक परिसर आदि बिंदुओं पर स्पष्टता के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में इनके समावेश द्वारा आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है। जल्द ही नीति धरातल पर आये जिससे इसका लाभ शैक्षिक समुदाय को मिले उसके लिए सभी शिक्षाविदों, जन समुदाय, केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा आपस में मिलकर प्रभावी प्रयास किया जायें।

अभाविप के प्रदेश मंत्री तरुण बाजपेई ने कहा कि 34 वर्षों बाद के इंतजार के बाद आयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, 21वीं सदी की आवश्यकताओं व आत्मनिर्भर भारत को गढ़ने वाली शिक्षा नीति है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम शिक्षा मंत्रालय करने की सिफारिश निश्चित ही ज्ञान आधारित समाज निर्माण के संकल्प को पूर्ण करने की इच्छाशक्ति को दर्शाता है। विद्यार्थियों को कौशल विकास से जोड़ना, शिक्षा में रुचि के अनुसार विषयों के चयन की स्वतंत्रता का प्रावधान, शोध के लिये नेशनल रिसर्च फाउंडेशन, रोजगार परक शिक्षा, वास्तव में यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति आत्मनिर्भर बनाने में मिल का पत्थर साबित होगी। अब केन्द्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिलने के उपरांत, शिक्षा क्षेत्र के सभी हितधारकों को सजगता से इसके क्रियान्वयन हेतु अपनी भूमिका के निर्वहन हेतु तैयार रहना होगा। केन्द्र सरकार के साथ राज्य सरकारों के बेहतर समन्वय से ही देश शिक्षा क्षेत्र के नए लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है, हम आशा करते हैं कि केंद्र तथा राज्य सरकारें बेहतर समन्वय स्थापित कर भारत के करोड़ों छात्रों के साथ न्याय करेंगी।

कच्ची दीवार गिरने से दबकर मामा-भांजी की मौत

हुसैनगंज (फतेहपुर), । थाना क्षेत्र के गनेशपुर गाँव में कच्चा मकान गिरने से उसमें दबकर मामा-भांजी की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद घर में कोहराम मच गया। लगभग नौ बजे नरेंद्र पुत्र सकटु पासी 18 वर्ष घर में खाना खा रहा था तथा उसकी 2 माह की भांजी पायल पुत्री आशाराम बगल में लेटी थी। तभी अचानक कच्ची दीवार गिर जाने से दोनो की मौके पर मौत हो गई।

जनपद में बारह और कोरोना संक्रमित, एक और मौत

फतेहपुर, । कोरोना वायरस संक्रमितो की ताजा स्टेट रिपोर्ट में पिछले 24 घण्टे के दौरान जनपद में 12 और संक्रमितो की पुष्टि हुई है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर दस हो गई है। जनपद में कोरोना के ऐक्टिव केस बढ़कर 229 हो गये हैं। वहीं स्वस्थ्य होने वालों की संख्या 285 है।

वेक्टर जनित स्थितियां एवं गंदगी फैलाने पर जारी की नोटिस

फतेहपुर, । जिलाधिकारी के आदेश के क्रम में अमौली विकास खण्ड के मंगलपुर टिकौली एवं नोनारा ग्राम में संक्रामक रोग पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष संचारी एवं स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मेडिकल कैम्प, सफाई अभियान एवं वेक्टर रोधी कार्य एसडीएम बिंदकी एवं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अमौली के निर्देशन में हुआ। अभियान में वेक्टर जनित स्थितियां एवं गंदगी पाए जाने पर मंगलपुर तिकौली में मलेरिया विभाग द्वारा कुल 17 लोगों को नोटिस जारी कर चेतावनी दी गई। ग्राम के सभी निवासियों के घरों एन्टी लार्वा का छिड़काव भी हुआ। पंचायत राज विभाग के 20 कर्मचारियों ने अभियान चला कर प्रत्येक नाली से कचरा हटा कर पानी का प्रवाह सुनिश्चित कर ब्लीचिंग पाउडर की डस्टिंग की। अमौली स्वास्थ्य केंद्र की टीम ने मंगलपुर टिकौली में 71 मरीजों की जांच कर उपचार किया। 31 लोगों की कोविड-19 की जांच की गई वहीं 11 लोगो की डेंगू का सैंपल लिया गया, 11 लोगों का मलेरिया की स्लाइड बनाई गई।

संदिग्ध हालत में युवती ने फांसी लगा दी जान

फतेहपुर, । हुसैनगंज थाना क्षेत्र के भिटौरा कस्बे में शनिवार की शाम संदिग्ध परिस्थितियों में लगभग 18 वर्षीय एक युवती ने घर के अंदर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जानकारी के अनुसार भिटौरा निवासी सूघर पाल की पुत्री अल्का देवी ने कल शाम उस वक्त घर के अंदर पंखे में रस्सी का फंदा डाल फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली जब घर के सभी लोग खेतों में धान लगाने चले गये थे। शाम को जब परिजन घर लौटकर आये तो उनके पैरो तले जमीन खिसक गयी। उनकी जवान पुत्री का शव फांसी पर लटक रहा था। तभी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। वहीं घटना के बाबत जानकारी लेने पर परिजनों ने कुछ भी बताने से इंकार कर दिया।

मार्ग दुर्घटना में उपनिरीक्षक घायल

फतेहपुर, । कानपुर से इलाहाबाद अपने घर जा रहे बाइक सवार दरोगा को थरियांव थाने के हस्वा के समीप हाईवे पर तेज रफ्तार डीसीएम ने टक्कर मार दिया। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। चौकी के दो सिपाही सरकारी जीप में घायल दरोगा को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत गम्भीर बनी हुयी है। जानकारी के अनुसार इलाहाबाद जनपद के रहने वाले उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार पाल कानपुर महानगर में तैनात हैं। बताते हैं कि रक्षाबंधन के पर्व पर वह बाइक द्वारा छुट्टी पर घर जा रहे थे। रविवार की शाम लगभग चार बजे जैसे ही वह हस्वा चौकी के समीप हाईवे पर पहुंचे तभी पीछे से तेज रफ्तार आ रही डीसीएम ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे एसआई गम्भीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद चालक वाहन सहित भाग जाने में कामयाब रहा। सूचना पाकर हस्वा चौकी में तैनात कांस्टेबल गजेन्द्र सिंह व दीपक राणा मौके पर पहुंचे और अपनी सरकारी जीप से घायल दरोगा को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुयी है। सिपाही गजेन्द्र ने बताया कि उनके परिवार वालों को सूचना दे दी गयी है।

खाना बनाते महिला झुलसी

फतेहपुर, । किशनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बलियारपुर में रविवार की सुबह खाना बनाते समय लगभग 35 वर्षीय एक महिला गम्भीर रूप से झुलस गयी। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुयी है। जानकारी के अनुसार बलियारपुर गांव निवासी महेश की पत्नी लक्ष्मी देवी आज सुबह लगभग सात बजे खाना बना रही थी। तभी अचानक उसके कपड़ों में आग लग गयी। जिससे वह बुरी तरह झुलस गयी। शोर-शराबा सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने महिला के शरीर में लगी आग को जल्दी-जल्दी बुझाया और तत्काल उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करा दिया। जहां वह जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष कर रही है।

शांति भंग में 23 निरुद्ध

फतेहपुर, । जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत रविवार की सुबह आधा दर्जन से अधिक थानों की पुलिस ने लगभग दो दर्जन लोगों के विरूद्ध 151 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार हुसैनगंज 12, बिन्दकी 3, औंग 1, जाफरगंज 3, गाजीपुर 1, ललौली 1 तथा थरियांव थानाध्यक्ष ने 2 लोगों के विरूद्ध शांति भंग के तहत कार्रवाई की है।

तमंचा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

फतेहपुर, । पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के दिशा-निर्देशन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत रविवार की सुबह पीआरवी पुलिस ने अवैध तमंचा व कारतूस के साथ युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार चांदपुर थाना क्षेत्र के अन्तर्गत पीआरवी 1169 में तैनात हेड कांस्टेबल विनोद चन्द्र दुबे अपने क्षेत्र में निगरानी कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर किसी वारदात को अंजाम देने के इरादे से खड़े राजकुमार पुत्र सोनेलाल कुशवाहा निवासी मोहरारी को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से एक बारह बोर का तमंचा व एक जिन्दा कारतूस बरामद किया है।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक घायल

बिंदकी (फतेहपुर), । दो बाइकों के भिड़ंत में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। काफी देर चले जा के बाद युवक की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए। जानकारी के अनुसार नगर के ललौली चौराहे में दो बाइकों में आमने-सामने तेज भिड़ंत हो गई। जिसमें एक बाइक में सवार सहवाग उम्र 25 वर्ष पुत्र शहजादे निवासी मोहल्ला कजियाना गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल शहजादे को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। दुर्घटना के बाद मौके पर हड़कंप मचा रहा। दुर्घटना की जानकारी मिलने पर परिजन सीएचसी पहुंचे हालांकि काफी देर चले उपचार के बाद युवक की हालत में थोड़ा सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए। युवक के परिजनों ने बताया कि वह अपने घर से ललौली रोड स्थित पेट्रोल पंप में मोटरसाइकिल में पेट्रोल डलवाने जा रहा था तभी ललौली चौराहे में दुर्घटना हो गई जिसमें वह घायल हो गया।

दीवार की गिरी ईंटों से युवक घायल

बिंदकी (फतेहपुर), । छप्पर ठीक करते समय अचानक दीवार की ईंटें सिर पर गिर जाने से युवक गंभीर घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद युवक की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के नाथू खेड़ा गांव में हरिशंकर उम्र 25 वर्ष पुत्र बलिराम अपने घर के बरामदे में रखे छप्पर को ठीक कर रहा था तभी अचानक जिस दीवार में छप्पर रखा था उसकी ईंटें उसके सिर पर गिर पड़ी। जिससे वह खून से लथपथ हो गया। लोगों ने ईट गिरने की आवाज सुनी तो लोग युवक की ओर दौड़े। घायल युवक को लोगों ने निजी वाहन से लाकर सीएचसी में भर्ती कराया। काफी देर चले उपचार के बाद युवक की हालत में थोड़ा सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए।

ससुर खदेरी नदी का पुल बना जानलेवा

हसवा (फतेहपुर), । विकास खण्ड के गांव मटिहा के किनारे से ही ससुर खदेरी नदी बहती है। जो गांव जाने की रास्ता है। नदी में छोटा सा संकरी रास्ता है। वह भी बहुत ही नीचे जिससे बरसात के मौसम में पानी का बहाव पुल के ऊपर से होने लगता है। ग्रामीणों को आने जाने में दिक्कत होती है। इस मार्ग से कई गांव जुड़े हैं। सरकण्डी, बगहा, मौहारी और कई एक डेरों के ग्रामीण इसी रास्ते से आते जाते रहते हैं। लोगों को बड़ा डर बना रहता है कि किसी दिन बड़ा हादसा न हो जाए।

रक्षाबंधन वक्त की मार पर भारी प्यार

राखी पर्व पर मन की उमड़-घुमड़ पहले की ही तरह है, लेकिन बाहर एक 'खौफ' का माहौल है। सभी भाई-बहन यही दुआ कर रहे हैं कि यह खौफनाक वक्त जल्दी टले और हालात सामान्य हों। कभी दूरी के कारण डाक व्यवस्था के जरिये प्यार के संदेश भेजे जाते थे तो आज कोरोना जैसी महामारी ने दूरी को जरूरी बना दिया है। समय की रफ्तार के साथ हर त्योहार के तौर-तरीकों में बेशक बदलाव आया हो, लेकिन यादों के झरोखों से झांकें तो सबको वे भावुक पल याद आते हैं जब इंतजार होता था अपने भाई या बहन का।

रेलवे स्टेशन पर गाड़ियां आ रही थीं। जा रही थीं। आठ-नौ साल की बच्ची बड़ी आशाभरी नजरों से हर आती गाड़ी को देख रही थी, लेकिन जिस गाड़ी का उसे इंतजार था, उसका दूर तक पता नहीं था। जब वह रेलवे स्टेशन के लिए घर से निकली थी, तब पास से एक साइकिल सवार निकला था, उसकी साइकिल पर एक ट्रांजिस्टर लटका था। उस पर राखी के गाने बज रहे थे। वह स्टेशन पर बहुत देर से खड़ी थी, लेकिन गाड़ी आ ही नहीं रही थी। फिर अचानक अखबार बेचने वाले शर्मा चाचा जी ने उसे बताया कि अब जो गाड़ी आएगी, वह दिल्ली से ही आएगी। बच्ची खुश हो उठी। उसे डाउन हुआ सिग्नल भी दिखने लगा। जल्दी ही एक काला गोला नजर आया। फिर इंजन नजर आने लगा। गाड़ी दौड़ी चली आ रही थी। गाड़ी प्लेटफार्म पर शोर करती रुकी तो बच्ची इधर से उधर दौड़ने लगी। हर डिब्बे और दरवाजे के पास जाकर वह देखने लगी। आखिर के ब्रेक से लेकर इंजन तक दौड़ी कि अचानक गाड़ी ने सीटी बजा दी और डिब्बे खिसकने लगे और रफ्तार पकड़ ली। सवेरे से बच्ची को जिनका इंतजार था, वह बड़े भाई तो आए ही नहीं। रातभर उसे नींद भी नहीं आई थी। बड़े भाई दिल्ली के एक कॉलेज में पढ़ाते थे। उससे उन्नीस साल बड़े थे। वह अपने माता-पिता के साथ रहती थी। भाई रक्षाबंधन, होली, दिवाली पर जरूर आते थे। बाकी परिवार के लोग-चाचा, ताऊ उनके बच्चे भी इकट्ठे हो जाते थे, लेकिन इस बार गांव से कोई नहीं आया। भाई ने कहा था कि वह आएंगे, लेकिन वह भी नहीं आए। बच्ची जोर-जोर से रोती घर पहुंची। मां ने उसे समझाया कि हो सकता है गाड़ी निकल गई हो। शाम की गाड़ी से आते हों। लेकिन शाम की गाड़ी भी बिना भाई को लाए ही चली गयी। बच्ची रूठ गई। वह नाराज तो थी ही, इस बात से दुखी भी थी कि भाई के लिये उसने पिता जी से खास रेशमी राखी मंगवाई थी। अब वह राखी किसको बांधेगी। तब पिता जी ने उसे बताया कि भाई की चिट्ठी आ चुकी है। दिल्ली में उत्तर प्रदेश की तरह राखी की छुट्टी नहीं होती है, इसलिए वह नहीं आएंगे। उस दिन उनका कालेज खुला है। नयी नौकरी है, इसलिए छुट्टी भी नहीं ले सकते। बच्ची नाराज होती हुई बोली-तो पहले क्यों नहीं बताया। इसलिए कि तू रोती और रोती ही जाती। पिता की बात सुनकर बच्ची जोर-जोर से रोने लगी। उन्होंने उसे मनाया, लेकिन वह नहीं मानी। वह बड़े भाई से बहुत नाराज थी। बच्ची उदास थी तभी ऐन रक्षा बंधन के दिन भाई के पक्के दोस्त वीरेंद्र भाई साहब आ पहुंचे थे। वह उसके लिए रक्षाबंधन के उपहार के रूप में मिट्टी के बने दो चमकते हुए काले घोड़े लाए थे। उन्होंने उससे राखी बंधवाई, सिर पर हाथ फेरा, पांव छुए, पैसे भी दिए, मां के आग्रह पर खाना भी खाया। बच्ची को मेरी प्यारी बहन कहकर दुलारा। कहा कि अब हर साल वह उससे राखी बंधवाने आया करेंगे।

कुछ दिन बाद डाक से एक बड़ा लिफाफा आया। भाई ने दिल्ली से भेजा था। उसमें उसके लिए नयी दो फ्रॉक, प्लास्टिक का एक मोर, बिस्कुट और टॉफी के डिब्बे थे। भाई ने विशेष तौर से उसके लिए चिट्ठी भी लिखी थी और कहा था कि जैसे ही छुट्टी मिलेगी वह आएंगे और अपनी प्यारी गुड़िया को मना लेंगे। उन्हें पता है कि उनकी छोटी बहन कभी उनसे नाराज नहीं हो सकती। असल में राखी के पर्व की यह भावुकता हर दौर में रही है, लेकिन अब तो दौर ही अजीब हो गया है। उन दिनों इस बच्ची की तरह बहुत सी बच्चियां भाइयों का इंतजार करती थीं। कुछ विवाहित स्त्रियां जो किसी कारण से मायके नहीं जा पाती थीं, उन्हें अपने-अपने भाइयों के आने का इंतजार रहता था। जिन लड़कियों के भाई या बहन नहीं होती थीं वे अपने रिश्तेदारों, पड़ोसियों के लड़के, लड़कियों को भाई-बहन बना लेती थीं। यह रिश्ता जीवन भर चलता था। आज स्त्री विमर्श रक्षा बंधन में जुड़े रक्षा शब्द से बहुत नाक-भौं सिकोड़ता है। वे कहते हैं कि इस शब्द में ही यह छिपा है कि लड़कियां कमजोर होती हैं। वे अपनी रक्षा खुद नहीं कर सकतीं। हालांकि आज भी समाज में महिला सुरक्षा बड़ा मसला है। लड़कियां इन दिनों भी रात-बिरात बिना किस पुरुष के साथ बाहर नहीं निकल सकतीं। भाई और बहन के आपसी प्यार को हमारी फिल्मों ने भी खूब सेलिब्रेट किया है। बहना ने भाई की कलाई से प्यार बांधा है या भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना- गाने आज भी अकसर रेडियो पर रक्षाबंधन के अवसर पर सुने जाते हैं। घर में रक्षा बंधन के अवसर पर खीर, पूरी, आलू की सब्जी, रायता और सेंवइयां विशेष रूप से बनती थीं, कंडों पर गेहूं बोए जाते थे। जिनके कुल्लों को कानों में लगाया जाता था। यह एक तरह से नयी फसल अच्छी हो, इसकी चाहत भी होती थी। मशहूर कथाकार पदमा सचदेव ने अपनी आत्मकथा बूंदबावड़ी में एक दिलचस्प प्रसंग का जिक्र किया है। बचपन में वह गम्भीर रूप से बीमार हुई थीं। कश्मीर के एक अस्पताल में दाखिल थीं। रक्षाबंधन के दिन बहुत उदास थीं। तभी डॉक्टर साहब अपने मरीजों को देखने आए। उन्होंने देखा कि पदमा सचदेव रो रही हैं। कारण पूछा तो बता दिया कि आज रक्षाबंधन है। यहां किसे राखी बांधें। डॉक्टर साहब ने अपनी कलाई आगे कर दी। और यह रिश्ता तब तक चला जब तक डॉक्टर साहब इस दुनिया में रहे। यह डॉक्टर साहब मुसलमान थे। बदले वक्त ने चाहे इस त्योहार के रूप को बदल दिया हो, जीवन में अनेक पकवानों, तरह-तरह के महंगे उपहारों का प्रवेश हो गया हो, मगर बहन की नजरों में भाई और भाई की नजरों में बहन की जरूरत कम नहीं हुई है। बचपन में जो राखियां मिलती थीं, उनमें बहुत सी राखियों में सफेद प्लास्टिक के हनुमान जी, शिव जी गणेश जी, राम परिवार , मोर , गाय, कमल, गुलाब के फूल आदि चिपके रहते थे। बच्चों में इन्हें बटोरने की होड़ लगी होती थी। बाकी राखियों में चिपके गोटे, चमकीली पन्नियां गुड़ियों के घर सजाने के काम आती थीं। रंग-बिरंगी रेशमी लच्छियां लाकर, उन्हें मोड़कर कैंची से काटकर, दो-चार टांके लगाकर, घर में भी सुंदर राखियां बनाई जाती थीं। आज अनेक किस्म की डिजाइनर राखियां मौजूद हैं। बेशक कोरोना काल का असर राखी के कारोबार पर पड़ा हो, लेकिन भावनाएं अपनी जगह पर हैं। यूं तो सावन का महीना ही जैसे उत्सवों से जुड़ा था। रिमझिम बारिश, ऊंचे , मजबूत तनों वाले पेड़ों पर पड़े झूले, सावन के सोमवार, शिवजी की विशेष पूजा, फिर रक्षा बंधन। जैसे कि हमारे खेत, नदी तालाब बारिश के होने का जश्न मनाते थे और बारिश अच्छी हो तो कृषि और फसलों के अच्छे होने की उम्मीद बंधती थी, इसलिए सावन, भादों और बारिश से जुड़े महीनों का खासा महत्व था। उत्तर प्रदेश के बहुत से इलाकों में एक नियम सा था कि रक्षाबंधन के दिन विवाहित बहनें भाइयों को राखी बांधने अपने मायके जाती थीं और भैया दूज के दिन भाई टीका करने विवाहित बहन के घर जाते थे। इस अवसर पर कहानियां भी कही जाती थीं।

सम्पादकीय

नयी शिक्षा नीति की जरूरत थी

बहुत दिनों से शिक्षा नीति को पुनः विश्लेषित करने की जरूरत महसूस की जा रही थी कि हम कहां पहुंचे हैं, कैसे पहुंचे हैं. इस लिहाज से चौंतीस वर्षों बाद आयी यह नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति बहुप्रतीक्षित है. शिक्षा नीति में अगर प्रयोगधर्मिता नहीं होगी, कुछ नयी बातें शामिल नहीं होंगी, तो किसी और क्षेत्र में हम न तो चिंतन कर सकते हैं, न प्रयोग कर सकते हैं. इस नाते नयी शिक्षा नीति की बहुत आवश्यकता थी. इस शिक्षा नीति के चार कंपोनेंट हैं. पहला विद्यालयी शिक्षा, दूसरा उच्च शिक्षा और तीसरा शोध का है. चौथा कंपोनेंट नियामक से जुड़ा हुआ है कि देश की शिक्षा किस तरह संचालित होगी. विद्यालयी शिक्षा को लेकर बहुत दूरगामी कदम उठाया गया है. इसमें तीन वर्ष की उम्र से लेकर 18 वर्ष की उम्र यानी बारहवीं तक बच्चे को विद्यालयी शिक्षा के साथ जोड़कर रखने और शिक्षा को समावेशी बनाने का प्रावधान है. आंगनबाड़ी को भी इस प्रक्रिया में शामिल करने की बात है. यहां नीति-निर्माताओं से केवल एक आग्रह है कि छोटी उम्र के बच्चों पर बस्ते का बोझ न लादा जाये. उनको आरंभिक दिनों में खेल-कूद या मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा दी जाये. मातृभाषा में शिक्षा देने का विचार भी उल्लेखनीय है. गांधीजी भी मातृभाषा में शिक्षा देने की बात करते थे. एक तरह से देखा जाये तो इस नयी शिक्षा नीति का प्रारुप गांधीजी की शिक्षा नीति के बहुत नजदीक है. इसके अलावा, स्किल एजुकेशन को बढ़ावा देने और बच्चों के सर्वांगीण विकास की बात भी शिक्षा नीति में शामिल है, जो स्वागतयोग्य है. दूसरा कंपोनेंट उच्च शिक्षा का है. चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम की अब जो संरचना आ रही है, उसकी वैश्विक परिदृश्य के साथ एकरूपता है, पहले की उच्च शिक्षा में वैश्विक परिदृश्य के साथ एकरूपता की कमी थी. चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम में अगर कोई विद्यार्थी किन्हीं कारणों से एक वर्ष की पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाता है तो उसका वर्ष बर्बाद नहीं होगा, बल्कि उसका क्रेडिट जमा हो जायेगा और उसको सर्टिफिक्रेट मिल जायेगा. दो वर्ष के बाद यदि पढ़ाई छूट जाती है तो उसको डिप्लोमा मिलेगा. तीन वर्ष पर डिग्री मिल जायेगी. उसका क्रेडिट आगे चलकर चतुर्थ वर्ष और हायर स्टडीज में भी लागू हो सकता है. ग्रॉस एनरॉलमेंट रेशियो यानी जीइआर को 2035 तक 50 प्रतिशत तक ले जाने का सरकार ने लक्ष्य रखा है, जो बहुत बड़ा कदम है. अगर हम इस लक्ष्य तक पहुंच पाते हैं तो यह देश की शिक्षा के लिए, समाज के लिए बहुत बेहतर होनेवाला है. बहुत प्रयासों के बावजूद हमारा जीइआर अभी 26 प्रतिशत के करीब ही पहुंचा है. इतना ही नहीं, अब कोई भी विद्यार्थी अपनी इच्छानुसार एक क्रेडिट कोर्स जैसे मानविकी, साहित्य या स्किल ले सकता है. इस लिहाज से उच्च शिक्षा में गुणात्मक परिवर्तन आने वाला है. विज्ञान के विद्यार्थी पहले समाज, साहित्य आदि के बारे में पढ़ ही नहीं पाते थे. नयी शिक्षा नीति अब विद्यार्थियों को उसके सीमित दायरे से निकालकर विस्तृत दायरा देने जा रही है. इस तरह अब विद्यार्थियों के विकास, मानसिक विकास, व्यक्तिगत प्रयासों के लिए संभावनाएं कहीं ज्यादा हैं. और जब ज्यादा संभावनाओं वाला क्षेत्र होता है तो उसका लाभ राष्ट्र और समाज के साथ उद्यमिता को भी मिलता है. रोजगार की दृष्टि से भी यह नीति बहुत फलदायी रहने वाली है. शोध आधारित विश्वविद्यालय का भी नयी नीति में प्रावधान है, जिससे देश में पब्लिकेशन, रिसर्च की संस्कृति को और मजबूती मिलेगी. विश्व के जितने भी विश्वविद्यालय अच्छा करते हैं उनका रिसर्च कंपोनेंट, रिसर्च आउटपुट और पब्लिकेशेन बहुत महत्व रखता है. आज भी जिस प्रोफेसर का साइटेशन जितना अच्छा होता है वह उतना ही अच्छा एकेडमिशियन माना जाता है. चौथा कंपोनेंट गवर्नेंस का है. नये प्रावधान के तहत तमाम प्रशासकीय व्यवस्थाओं को खत्म करके उसे एक व्यवस्था के रूप में विकसित किया जायेगा, जो सराहनीय है. इस शिक्षा नीति में शिक्षा के भारतीयकरण की बात भी कही गयी है, जो अपनेआप में बहुत बड़ी अवधारणा है. हमारे यहां भारतीय दर्शन पढ़ाया ही नहीं जाता, विदेशी विचारक पढ़ाये जाते हैं. हमारे ऋषियों-मनीषियों ने हजारों-हजार वर्ष पहले दर्शन दिया. हमारे आधुनिक शिक्षा जगत के सबसे बड़े मनीषियों डॉ राधाकृष्णन, सी राजगोपालाचारी, गांधीजी या दीनदयालजी ने भारतीय शिक्षा के बारे में क्या सोचा उसे कोई नहीं बताता. शिक्षा के भारतीयकरण से औपनिवेशिक प्रभाव से मुक्ति मिलेगी और भारत, भारतीयता और भारत के प्रति विद्यार्थियो में स्वाभाविक तौर पर प्रेम पैदा होगा. नयी नीति में पाली, प्राकृत, संस्कृत भाषा की पढ़ाई और शोध समेत लुप्तप्राय हो चुकी भाषाओं के संरक्षण की बात भी की गयी है।

पत्रकारिता को कलंकित करते ये आधुनिक टी वी एंकर्स

प्रतिष्ठित रेमन मैगसेसे सम्मान विजेता तथा देश के जाने माने पत्रकार व टी वी एंकर रवीश कुमार विभिन्न स्थानों पर अपने संबोधनों में कई बार यह कह चुके हैं कि जनता को टी वी देखना बंद कर देना चाहिए। रवीश कुमार स्वयं एन डी टी वी इंडिया जैसे देश के प्रमुख समाचार नेटवर्क में संपादक हैं तथा पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध रामनाथ गोयनका पुरस्कार,प्रतिष्ठित गणेशशंकर विद्यार्थी पुरस्कार, छत्तीसगढ़ सरकार के माधव राव जैसे सम्मानों से नवाजे जा चुके हैं। आज भी वे एनडी टीवी इंडिया के प्रमुख कार्यक्रमों प्राइम टाइम शो व देस की बात जैसे लोकप्रिय कार्यक्रमों को एक एंकर के रूप में प्रस्तुत करते हैं। द इंडियन एक्सप्रेस ने 2016 में 100 सबसे प्रभावशाली भारतीयोंश् की सूची में भी उनका नाम शामिल किया था। सवाल यह है कि टेलीवीजन जगत का इतना बड़ा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सितारा ही स्वयं क्यों कह रहा है कि लोगों को टी वी देखना बंद कर देना चाहिए? यहाँ तक कि वे अपने टी वी चौनल को भी न देखने की सलाह देते हैं ? आखिर इसका क्या कारण है, इस सवाल का जवाब आज के मुख्य धारा के टी वी चौनल्स को देखकर स्वयं हासिल किया जा सकता है। यहां इस बात को अभी छोड़ देते हैं कि अधिकांश टी वी चौनल्स गोदी मीडिया की भूमिका अदा करते हुए सत्ता की चाटुकारिता करने व सत्ता के एजेंडे को परोसने के साथ साथ सत्ता से सवाल करने के बजाए विपक्ष से ही सवाल करने व विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने में अपनी पूरी ताकत झोंके हुए हैं। इसके अलावा सत्ता के भोंपू बने इन्हीं चौनल्स के अनेक युवा पत्रकारों के किसी भी कार्यक्रम को प्रस्तुत करने,किसी विषय पर बहस करने -कराने या अपने आमंत्रित अतिथि से सवाल जवाब करने के तौर तरीके उनके द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली शब्दावली उनके तेवर,उनके शारीरिक हाव् भाव,उनका गला फाड़ अंदाज-ए-बयां आदि को यदि गौर से देखा जाए तो यह तो पता ही नहीं लगता की स्वयं को पत्रकार समझने की गलतफहमियाँ पालने वाले ये ये तत्व गणेश शंकर विद्यार्थी,माखन लाल चतुर्वेदी,कमलेश्वर व धर्मवीर भारतीय जैसे अनेक गंभीर पत्रकारों की विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। ठीक इसके विपरीत किसी भी कार्यक्रम के इनके प्रस्तुतीकरण के अंदाज से साफ झलकता है कि इनका एजेंडा किसी विषय पर गंभीर चिंतन करना या उसे तथ्यपूर्ण तरीके से गंभीरता के साथ जनता के सामने पेश करना नहीं बल्कि विषय विशेष का पूर्णतयः व्यावसायिक उपयोग करते हुए उसे और अधिक उलझाना,मुद्दे में विवादित पहलू तलाश कर उसे शीर्षक या ब्रेकिंग न्यूज बनाना,अपने अतिथियों के साथ बदतमीजी से पेश आते हुए उन्हें भड़काना व उन्हें गुस्से में लाकर उनके मुंह से कुछ ऐसे वाक्य निकलवाना होता है जिससे कोई विवाद खड़ा हो सके। आजकल एंकर की भूमिका निभाने वाले युवक व युवतियां यह भी नहीं देखते कि जिस अतिथि को उन्होंने आमंत्रित किया है वे उन ऐंकर्स से उम्र व अनुभव में कितने बड़े हैं। ये सभी के साथ इस लहजे से बात करते हैं गोया इन्होंने उसे बुलाया ही अपमानित करने के लिए है। जब चाहें ये पूर्वाग्रही एंकर जोकि अपना एजेंडा निर्धारित कर कार्यक्रम संचालित व प्रसारित करते हैं, किसी भी बहस को कभी सांप्रदायिकता की तरफ मोड़ने का पूरा हुनर रखते हैं तो कभी राष्ट्रवाद के स्वयंभू रखवाले बनकर किसी भी भारतीय व्यक्ति या पूरे संगठन अथवा दल को राष्ट्र विरोधी या राष्ट्रद्रोही साबित करने का भी जिम्मा उठा लेते हैं। कार्यक्रमों के इसी तरह के घटिया व निम्न स्तरीय प्रस्तुतीकरण का ही नतीजा है कि कई बार ऐसे टी वी स्टूडियो में बहस के दौरान गाली-गलौच,धक्का-मुक्की व एक दूसरे को देख लेने की धमकी देने जैसी घटनाएँ घट चुकी हैं।

यहाँ तक कि चप्पल जूते फेंकने,तानने व दिखाने की घटनाएँ भी कई बार हो चुकी हैं।कई टी वी एंकर भी अपने ही अतिथियों से भी गालियां खा चुके हैं। पिछले दिनों तो एक नव अवतरित टी वी चौनल के एक अत्यंत विवादित संपादक ने महज टी आर पी के लिए ऐसा तमाशा कर दिखाया जो पत्रकारिता के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा तमाशा कहा जा सकता है।भारत व पाकिस्तान के दो अतिथि जो अपने अपने ड्राइंग रूम से स्टूडियो से जुड़े हुए थे,तनाव में आकर एक दूसरे को कागजी राकेट व मिसाइल दिखा कर ऐसे बरस रहे थे गोया अभी एक दूसरे पर इन्हीं कागजी हथियारों से हमला कर देंगे। यह इत्तेफाक हरगिज नहीं हो सकता कि दोनों ही देशों के दोनों ही अतिथि मानसिक रूप से एक साथ एक जैसी तैयारी कर हाथों में मिसाइल व राकेट के खिलोने लेकर एक दूसरे को धमकाने आए हों। शत प्रतिशत यह पूर्व नियोजित व तय शुदा था तथा उन्हें उकसाने के लिए जान बूझकर एंकर द्वारा ऐसे शब्दों व वाक्यों का इस्तेमाल किया जा रहा था की एक दूसरे पर वे कागजी शस्त्र उछाल कर उन्हें डराएं धमकाएं। वैसे भी आजकल इन चौनल्स में कार्यक्रमों के जिस तरह के नाम रखे जा रहे हैं और कार्यक्रम के दौरान जिस तरह की लाईट-साउंड-म्यूजिक का इस्तेमाल किया जाता है उसे पत्रकारिता के लक्षण नहीं बल्कि नाटक,फिल्म व मनोरंजन का गुण जरूर कहा जा सकता है। राजनैतिक दलों के कुछ प्रवक्ता भी ऐसे हैं जो ऐसे टी वी एंकर्स से वैचारिक समानता रखते हैं उन्हें भी ये एंकर जरूर आमंत्रित करते हैं ताकि इनके शतमाशेश् में कोई कमी या कसर न रह जाए। जाहिर है यह बातें वास्तविक व नैतिकता की पत्रकारिता के रसातल में जाने के लक्षण हैं जिसे कोई भी गंभीर व पत्रकारिता के मूल्यों व दायित्वों की कद्र करने वाला व्यक्ति न तो सहन कर सकता है न ही इस वातावरण में स्वयं को इसमें समायोजित कर सकता है। निश्चित रूप से एजेंडा पत्रकारिता की ही वजह से आज देश बेहद चिंतनीय दौर से गुजर रहा है। जनता को गलत सूचनाएं परोसी जा रही हैं,सही खबरों को छुपाया जा रहा है,किसानों,मजदूरों,छात्रों,गरीबों के हक व अधिकार की बात करने के बजाए सत्ता धीशों की भाषा बोली जा रही है। मंहगाई,बेरोजगारी पर चर्चा नहीं होती बल्कि चीन पाकिस्तान मंदिर मस्जिद जैसे विषयों पर बहस कराई जाती है। और आपके ड्राइंग रूम में ही बैठे बैठे आपको वैचारिक रूप से गुमराह कर दिया जाता है। तभी रवीश कुमार जैसे वरिष्ठ पत्रकार को यह कहने के लिए मजबूर होना पड़ता है कि टी वी देखना बंद करने में ही आपकी भलाई है।

केवल व्यक्ति-निष्ठा से ही नहीं मिलेगी सर्वस्वीकार्य प्रतिष्ठा

क्या कोरोना संक्रमण के कारण मध्य प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव निर्धारित समय पर नहीं हो पाएंगे? प्रदेश में तख्तापलट, मंत्रिमंडल विस्तार और फिर विभाग वितरण के बाद अब यह सवाल बार-बार पूछा और दोहराया जा रहा है। बीते 10 मार्च को कांग्रेस के 22 विधायक इस्तीफा देकर भाजपा के हो गए थे। 19 मार्च तक सभी के इस्तीफे मंजूर किए गए। 19 अगस्त तक छह महीने पूरे हो रहे हैं। इस्तीफा देने से रिक्त हुई विधानसभा सीट पर चुनाव छह महीने के अंदर कराना जरूरी होता है। वैसे भी कोरोनाकाल के नए-नए आंकड़े अब नए-नए राजनीतिक समीकरण सामने ला रहे हैं। क्योंकि, मध्य प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब 14 मंत्री, विधायक नहीं हैं! शिवराज की टीम में उन्हें मिलाकर 34 मंत्री हैं। इनमें 14 मंत्री पूर्व कांग्रेसी हैं। यही वे हैं जो अभी विधायक भी नहीं हैं। सत्ता परिवर्तन के पश्चात प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार में देरी को, विपक्ष द्वारा राजनीतिक अस्थिरता की उपमा दी गई थी। तर्क यह भी दिया गया कि भाजपा में निर्णय का केंद्राधिकार अब समाप्त हो चुका है। कभी कमल नाथ, दिग्विजय सिंह और ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमों में विभाजित रही कांग्रेस का यह आरोप भी चौंका गया कि भाजपा में शिवराज के साथ सिंधिया गुट का प्रभाव-प्रसार, खेमे-बंदी को बढ़ावा दे रहा है। हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि कमल नाथ सरकार गिरने के पूर्व सिंधिया की तरफ से अनेक अबोले-अलिखित अनुबंध हो चुके थे। यही वजह है कि सिंधिया समर्थक विधायक अब मंत्री के रूप में मध्य प्रदेश की सेवा का संकल्प दोहरा रहे हैं। दरअसल, समर्थन और समर्थकों की ऐसी सियासत मध्य प्रदेश में पहली बार देखी जा रही है। इसीलिए, बिना किसी संशय के एक सवाल बार-बार पूछा जा रहा है कि अपने-अपने राजनीतिक आकाओं की अनुकंपा से पद, कद और प्रभाव में वृद्धि करने वाले श्माननीय मंत्रीगणश् प्रदेश की समस्याओं से कितना सरोकार रख पाएंगे? चुनावी दावों-वादों से दूर अब जन-मन की पीड़ा-परेशानियों से कैसे सीधा सामंजस्य बैठा पाएंगे? वैसे कहा यह भी जाता है कि राजनीति में हितबद्धता ज्यादा मायने नहीं रखती है। यदि व्यक्ति परिणामदायक व्यवस्था नहीं बना पाता है तो राजनीतिक व्यवस्थाएं कब विवशताओं में बदल जाती हैं, पता नहीं चलता! मंत्रियों को जन अपेक्षाओं के ऐसे ही दबाव-समूह की उपस्थिति हमेशा अनुभव करना चाहिए। इस पवित्र उद्देश्य के साथ कि प्रदेश की परिधि काफी बड़ी है, यदि वे अपने विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को ही निर्णायक रूप से हल करवा देंगे और पांच साल बाद जब अपने ही क्षेत्र में लौटेंगे, तो उनके प्रति स्वाभाविक विश्वास स्थाई रूप से बना रहेगा। इसी बहाने इस बात का भी अनुभव हो जाएगा कि प्रदेश की जमीनी समस्याओं पर उनकी पकड़ कितनी मजबूत है? तुलसी सिलावट, गोविंद सिंह राजपूत और इमरती देवी घोषित रूप से सिंधिया समर्थक माने जाते हैं और राजनीतिक गलियारों की खुसर-पुसर पर भरोसा करें तो विश्वास सारंग, भूपेंद्र सिंह और विजय शाह का नाम शिवराज समर्थकों की प्राथमिकता सूची में दर्ज है। अब इन्हीं मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्र से बात आगे बढ़ाते हैं। कुछ ऐसी समस्याएं हैं, जो इलाके के लोग लंबे समय से हल करवाना चाहते हैं। कुछ बहुत सामान्य हैं, कुछ को पूरा होने में वित्तीय सहयोग की आवश्यकता है। हो सकता है कुछ ऐसी भी हों, जिसमें राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत हो। लेकिन, व्यापक दृष्टिकोण में देखेंगे तो ऐसी छोटी-बड़ी समस्याएं प्रदेश के हर इलाके में मौजूद हैं। मंत्री चाहें तो अपने इलाके की समस्याओं के जरिए एक ऐसा पड़ताल-प्रबंधन विकसित कर सकते हैं, जो प्रदेश स्तर पर उपयोगी और निर्णायक हो सकता है। भोपाल के इस बड़े इलाके में जलभराव की स्थिति बनती है। क्षेत्र में कई बस्तियां निचले इलाकों में हैं। पार्किंग की बड़ी समस्या है। नरेला विधानसभा में शहर के तीन बड़े विश्रामघाट हैं। यहां व्यवस्थाओं व सुविधाओं में सुधार की आवश्यकता है। नरेला में बेरोजगारी बीते कई चुनावों में मुद्दा

सागर जिले के खुरई में कृषि कार्य में उपयोगी संयंत्र बनाने के छोटे-छोटे कई कारखाने चल रहे हैं। यहां कृषि एग्रो मॉल की आवश्यकता है। इससे सभी इकाइयों को एक छत के नीचे एकीकृत बाजार मिलेगा और प्रदेश में पहचान बन सकेगी। खुरई को जिला बनाने के लिए पूर्व में भी प्रयास हुए थे। यदि इसे जिला बनाया जाता है तो खुरई के साथ बीना को भी भरपूर फायदा मिल सकता है। खंडवा जिले के हरसूद पुनर्वास स्थल पर बसे तीन हजार परिवारों को भूखंड का मालिकाना हक नहीं मिल पा रहा है। यह जमीन एनवीडीए के नाम होने से, डूब प्रभावितों को न तो भूखंड पर बैंक से कर्ज मिल पा रहा है और न ही वे इसे बेच पा रहे हैं। पर्यटन विकास के लिए पूर्व और पश्चिम कालीभीत के जंगल को मिलाकर अभयारण्य की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। क्योंकि, सागौन का सघन जंगल होने के साथ यहां बड़ी संख्या में वन्य प्राणी भी हैं। इंदौर बायपास से जुड़े ग्रामीण इलाकों में अभी तक नर्मदा पेयजल के लिए पाइप लाइन नहीं है। जबकि, नर्मदा लाइन देवास तक पहुंच चुकी है। अब देवास को इंदौर से पानी की जरूरत नहीं है, उसके हिस्से का पानी सांवेर विधानसभा क्षेत्र को दिया जा सकता है। सांवेर इलाके में भी रोजगार को लेकर कोई बड़े औद्योगिक क्षेत्र नहीं हैं। बरलाई शुगर मिल की जमीन का उपयोग इसके लिए किया सकता है। सागर जिले के सुरखी विधानसभा क्षेत्र के तहत सुरखी, बिलेहरा, राहतगढ़, जैसीनगर मूलतः कृषि आधारित इलाके हैं। सिंचाई के लिए यहां के किसान पुरातन जलस्रोतों पर अधिक आश्रित हैं। सुरखी और रायसेन जिले की सीमा पर तीन साल पहले बेबस सिंचाई परियोजना का प्रस्ताव तैयार किया गया था। इस पर अब शीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए। जल संसाधन विभाग ने बेबस सिंचाई परियोजना का पूरा प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था, सर्वे भी हो चुका था, लेकिन अनुमति नहीं मिल सकी। यह परियोजना स्वीकृत होने से सागर की पेयजल परियोजना को भी फायदा मिल सकता है। ग्वालियर जिले के डबरा के लिए सबसे बड़ा मुद्दा स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी है। इलाके की ढाई लाख आबादी के लिए बनाया गया सिविल अस्पताल सिर्फनाम का है। करीब साढ़े छह करोड़ रुपये मंजूर भी हुए हैं। यह कार्य पूरा होने से एक बड़ी आबादी को काफी मदद मिलेगी। डबरा शहर के आधे इलाके में पेयजल नहीं पहुंच पाता है। हर बार गर्मी में पानी के लिए झगड़े होते हैं। अमृत जल योजना के तहत पाइप लाइन भी डाली गई है। गुणवत्ता का स्तर बेहतर नहीं होने से वह कभी भी टूट जाती है। नई पाइप लाइन का खर्च करीब 40 लाख रुपये बताया जा रहा है।

छह विधानसभा क्षेत्रों से चुनकर आते रहे, छह मंत्रियों से जुड़ी ये समस्याएं प्रमाण हैं कि बड़े नेताओं के इलाकों में भी छोटी-छोटी समस्याएं आम हैं। समस्याओं का यह विवरण भी आम आदमी द्वारा आमतौर पर दी जाने वाली प्रतिक्रियाओं से ही लिया गया है। यदि इन परेशानियों को हम शेष प्रदेश की समस्याओं के साथ रखें, तो बहुत-सी ऐसी समानताएं साफ-साफ दिखाई देंगी, जो एक-एक करके बहुत बड़ी हो जाती हैं। मंत्रियों को परखने का एक पैमाना यह भी हो सकता है कि यदि वे अपने इलाके की समस्याओं को हल करवा पाते हैं, तो वहां से मिले अनुभवों के आधार पर प्रदेश की बाकी परेशानियों का निराकरण भी कर सकते हैं। स्वाभाविक है अपने ही मतदाताओं का विश्वास अर्जित करेंगे और प्रदेश के बड़े इलाके में अपनी उपस्थिति भी दर्ज करवाएंगे। फिलहाल तो उम्मीद ही की जा सकती है कि राजनीतिक समायोजन की शह-मात में उभर कर आए ये नुमाइंदे, कुछ तो ऐसा जरूर करेंगे कि अपने क्षेत्र और प्रदेश की नाक ऊंची रख सकें!

करियर के सबसे खराब दौर में विराट कोहली को इन भारतीय दिग्गजों से मिला था गुरु मंत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने साल 2014 में इंग्लैंड का दौरा किया था, जिसमें टीम को 5 टेस्ट मैचों में मेजबान टीम का सामना करना था। भारतीय बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम वो सीरीज 3-1 से हार गई थी। इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली शतक तो छोड़िए एक अर्धशतक तक नहीं जड़ पाए थे। उस सीरीज में उन्होंने 5 मैचों की 10 पारियों में 13.40 के औसत से सिर्फ 134 रन बनाए थे। विराट कोहली ने अब इसी दौरे पर रही उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी असफलता का जिक्र मयंक अग्रवाल के साथ बीसीसीआइ के लिए की गई बातचीत के दौरान किया है। हालांकि, साल 2018 में इंग्लैंड दौरे पर गई भारतीय टीम विराट कोहली ही सबसे सफल रहे थे। यहां तक कि वे उस सीरीज में दोनों टीमों की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे, लेकिन 2014 की खराब सीरीज के बाद वे कैसे इससे उबरे इसका खुलासा उन्होंने किया है। मयंक के साथ बातचीत में विराट ने कहा है, मैं 2018 की सीरीज में बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज काफी नर्वस था, लेकिन मेरे लिए 2014 का इंग्लैंड दौरा मील का पत्थर था। कुछ लोग अच्छे दौरे को माइलस्टोन की तरह देखते हैं, लेकिन मेरे लिए बुरा दौरा माइलस्टोन था, क्योंकि मेरे लिए बहुत सारी चीजें खराब होती चली गई थीं। मैंने बिना किसी डर के टेस्ट सीरीज शुरू की थी, क्योंकि मैं उस समय व्हाइट बॉल क्रिकेट में अच्छा खेल रहा था, लेकिन टेस्ट में ऐसा नहीं हुआ। विराट ने आगे कहा कि उस दौरे के बाद मुझे आभास हुआ कि इसमें शांत और एकाग्र रहने की जरूरत है, लेकिन अगर वो दौरा मेरा खराब नहीं होता तो मैं अपने आप(बैटिंग पोजिशन) में शायद इतना बदलाव नहीं करता। ऐसा नहीं था कि मैं वहां की परिस्थितियों से वाकिफ नहीं था। मैंने पाया कि कठोर होने में कोई फायदा नहीं है। मैंने सीखा कि मेरी राइट हिप बाहर है, जिसकी वजह से मैं वो शॉट नहीं खेल पा रहा हूं, जो मुझे खेलने चाहिए। विराट ने बताया कि वे इंग्लैंड दौरे के बाद जब मुंबई आए तो सचिन तेंदुलकर से मिले थे। कुछ सेशन उनके साथ बिताने के बाद मुझे फर्क महसूस हुआ था और सचिन ने जो बताया था मैंने वो माना था। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया दौरा मेरे लिए अच्छा गया। वहीं, जब उनसे 2018 में इंग्लैंड दौरे पर बतौर बल्लेबाज मिली सफलता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मेरे दिमाग में 2014 का दौरा नहीं था, लेकिन मैं शुरुआत में ही प्रैक्टिस सेशन में गलती कर रहा था। विराट ने आगे कहा कि मैं जब प्रैक्टिस कर रहा था तो रवि भाई(रवि शास्त्री भारतीय टीम के कोच) ने देखा और बताया कि क्या करना। क्रीज से आगे खेलना है। फिर मुझे याद आया कि 2014 के दौरे के बाद रवि शास्त्री ने मुझे और धवन को अपने कमरे में बैट के साथ बुलाया था। उस समय उन्होंने कुछ छोटी-छोटी चीजें बताई थीं, जो बड़ा अंतर पैदा कर सकती हैं।÷ यही फायदा विराट कोहली को हुआ था और उन्होंने 2018 में इंग्लैंड दौरे पर 2 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 593 रन बनाए थे। विराट ने ये भी बताया कि उनको तत्कालीन कोच डंकन फ्लेचर ने भी बल्लेबाजी में सुधार के सुझाव दिए थे।

इंग्लैंड को लगा बड़ा झटका,सिब्ले शून्य पर आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड व वेस्टइंडीज की टीम तीसरे टेस्ट मैच में एक बार फिर से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर आमने-सामने है। इस मैच में वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। ये वही मैदान है जहां दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को हार का सामना करना पड़ा था और तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड की टीम ने 1-1 की बराबरी कर ली थी। पहली पारी में खबर लिखे जाने तक इंग्लैंड की टीम ने एक विकेट के नुकसान पर 25 रन बना लिए हैं।

तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में इंग्लैंड की शुरुआत निराश करने वाली रही और पिछले टेस्ट में शतकीय पारी खेलने वाले सिब्ले शून्य पर आउट हो गए। उन्हें केमार रोच ने आउट किया। वेस्टइंडीज के पास इंग्लैंड की धरती पर 32 साल के बाद कोई टेस्ट सीरीज जीतने का मौका है। इससे पहले कैरेबियाई टीम ने 1988 में इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज जीती थी। इसके अलावा दोनों देशों के बीच अब तक 159 टेस्ट मैच खेले गए हैं जिसमें वेस्टइंडीज ने 58, इंग्लैंड ने 50 जबकि 51 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। इंग्लैंड में दोनों देशों के बीच अब तक कुल 88 टेस्ट मैच खेले गए हैं जिसमें इंग्लैंड ने 35 में जीत दर्ज की है जबकि वेस्टइंडीज ने 31 मैचों में तो वहीं 22 मैच डॉ रहे हैं। मैनचेस्टर में दोनों टीमों के बीच 16 मैच खेले गए हैं जिसमें इंग्लैंड ने 7 जबकि इंडीज ने 5 मैच जीते जबकि 4 डॉ रहे हैं। रोरी बर्न्स, डेमिनिक सिब्ले, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, जोस बटलर (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, डोमिनिक बेस, जोफा आर्चर, स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन। क्रेग ब्रेथवेट, जॉन कैंपबेल, शाई होप, शामराह ब्रूक्स, रोस्टन चेज, जर्मेन ब्लैकवुड, शाशेन डॉवरिच, जेसन होल्डर (कप्तान),रहकीम कॉर्नवाल , केमार रोच, शेनोन गैब्रिएल। इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जोफा आर्चर को अंतिम ग्यारह में शामिल किया है तो वहीं ऑलराउंडर सैम कुर्रन को टीम से बाहर कर दिया गया। जेम्स एंडरसन की टीम में वापसी हुई है उन्हें दूसरे टेस्ट के लिए आराम दिया गया था तो वहीं ब्रॉड टीम में बने रहे। उन्होंने दूसरे टेस्ट में शानदार प्रदर्शन किया था। क्रिस वोक्स की भी टीम में वापसी हुई है। वहीं वेस्टइंडीज की टीम में एक बदलाव हुए और अल्जारी जोसेफ की जगह रहकीम कार्नवाल को शामिल किया गया।

खास होगा इंग्लैंड और वेस्टइंडीज फाइनल टेस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच आज यानी 24 जुलाई से शुरू हो रहे तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के फाइनल मुकाबले में मेजबान टीम के खिलाड़ियों की कैप लाल रंग की नजर आएगी। जी हां, ये टेस्ट मैच काफी खास होने वाला है, क्योंकि ये टेस्ट इंग्लैंड टीम के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस की पत्नी की याद में खेला जाएगा। मैच का पहला दिन पूरी तरह से रेड होगा, क्योंकि इसमें इंग्लैंड के खिलाड़ी रेड कैप पहनकर उतरेंगे। यह दूसरा मौका है, जब इंग्लैंड की टीम रुथ स्ट्रॉफ फाउंडेशन को प्रमोट कर रही है। घर से मैच देख रहे लोगों को दान के लिए अपना समर्थन दिखाने के लिए लाल रंग के कपड़े पहनने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। आज से रुथ स्ट्रॉफ फाउंडेशन की आधिकारिक बेवसाइट पर इससे जुड़े सामानों को खरीदा जा सकता है। इसका पैसा चैरिटी के लिए जाएगा। जुटाए गए फंड को रुथ स्ट्रॉस फाउंडेशन के मिशन के लिए दिया जाएगा, जो कि कैंसर से माता-पिता की मौत का सामना करने वाले परिवारों के लिए पूर्व-शोक सहायता प्रदान करते हैं। इसके अलावा धूम्रपान नहीं करने वाले लोगों के फेफड़ों में कैंसर कैसे हो जाता है, जिसके शोध के लिए भी ये पैसा जुटाया जाता है। खिलाड़ी आज खास तौर पर रुथ स्ट्रॉस फाउंडेशन की ब्राडेंड टेस्ट शर्ट पहनेंगे, साथ ही साथ वे रेड कैप भी इस्तेमाल करेंगे, लेकिन ये मैच शुरू होने से पहले होगा। इतना ही नहीं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड को भी लाल रंग में ज्यादा देखा जाएगा। वहीं, मुकाबले के दौरान स्टंप्स का रंग भी लाल होगा, जबकि बाउंड्री बोर्ड भी लाल रंग के होंगे। बता दें कि इससे पहले एशेज सीरीज के दौरान लॉर्ड्स के मैदान पर भी रेड फॉर रुथ टेस्ट मैच खेला गया था, जिसमें 5 लाख 50 हजार से ज्यादा पाउंड की राशि इकट्ठी की गई थी। उस मैच में एंड्रयू स्ट्रॉफ और उनके बच्चे सैम और लुका भी शामिल हुए थे। बता दें कि 2003 से 2011 तक इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाले एंड्रयू स्ट्रॉस ने ऑस्ट्रेलियाई एक्ट्रेस रुथ मैकडॉनल्ड से शादी की थी, लेकिन 2018 में रुथ स्ट्रॉस की मौत हो गई, क्योंकि उनको लंग कैंसर था।

टेस्ट मैच जीतने के लिए 1 दिन में 300 रन बनाने से पीछे नहीं हटूंगा

कप्तान विराट कोहली का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली अपनी आक्रामक रवैये वाली कप्तानी के लिए जाने जाते हैं। विराट कोहली भले ही टेस्ट में कप्तानी कर रहे हों या फिर वनडे या टी20 क्रिकेट में, वे पहली गेंद से आखिरी गेंद तक जोश में नजर आते हैं। यही कारण है कि वे हमेशा जीत के लिए भूखे दिखाई देते हैं। विराट ने अपनी कप्तानी का एक्स फैक्टर भी टेस्ट मैच के आखिरी दिन कठिन परिस्थितियों में मिलने वाली जीत को बताया है। भारतीय टीम के ओपनर मयंक अग्रवाल ने बीसीसीआइ की आधिकारिक बेवसाइट के लिए कप्तान विराट कोहली से लंबी बातचीत की। इस दौरान मयंक ने विराट से उनकी कप्तानी के एक्स फैक्टर के बारे में पूछा तो कप्तान कोहली ने जवाब दिया, ÷मैं किसी भी परिस्थिति में परिणाम के लिए समझौता नहीं कर सकता। अगर आपको टेस्ट मैच के आखिरी दिन 300 रन चेज करने हैं तो मैं टीम के खिलाड़ियों से कहूंगा कि ये करना है, मैं कभी भी ड्रॉ के लिए नहीं कहूंगा। विराट ने ये भी बताया है कि मेरा प्लान क्या होगा? कप्तान विराट कोहली ने कहा, ÷अगर हमको 300 रन का टारगेट मिलता है तो मैं टीम से कहूंगा कि इसे जीतना है। हम पहले सेशन में अगर एक या दो विकेट खोकर 80 रन बना लेते हैं और दूसरे सेशन में 100 रन बना लेते हैं तो आखिरी सेशन में हमारे पास 120 रन बनाने के लिए होंगे। वहां, अगर आपके पास 7 विकेट होते हैं तो आप उस मैच को वनडे मैच की तरह निकालकर ले जा सकते हैं। 31 वर्षीय कोहली ने कहा है कि तीसरे सेशन में अगर हमारे पास विकेट नहीं बचते हैं तो फिर ड्रॉ के लिए देखा जा सकता है। विराट ने कहा है, मैं आखिरी के सेशन के आखिरी घंटे तक ड्रॉ के लिए नहीं जाऊंगा, जब तक कि परिस्थितियां बहुत खराब न हो जाएं। मैं टेस्ट मैच के आखिरी दिन की सुबह सभी से यही कहूंगा कि हमको इतने रन चेज करने हैं। हार का डर रखने से खुद का नुकसान होता है, क्योंकि आप जीत के बारे में बिना सोचे समझे सरेंडर कर देते हैं तो ये गलत है। विराट ने ये मयंक को भी बताया कि मान लो अगर जैसे तुम ओपनर हो और उस मैच में आखिर दिन नाबाद 120 रन बना देते हैं तो आपको लोग अगले दस साल तक याद रखेंगे। आप भी उस क्षण को जिंदगी भर याद रखना चाहेंगे। ये कुछ ऐसे दिन और पल होते हैं जिन्हें अगर आप सोचोगे तो आपको खुद पर गर्व होगा कि हम कैसे खेले।

पाकिस्तान के खिलाफ दिल्ली टेस्ट में 10वां विकेट लेने में श्रीनाथ की भी थी बड़ी भूमिका- अनिल कुंबले

नई दिल्ली, एजेंसी। अनिल कुंबले ने दिल्ली से फिरोजशाह कोटला मैदान पर 7 फरवरी 1999 को पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 10 विकेट लेकर इतिहास रचा था। वो ये उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के पहले व दुनिया के दूसरे गेंदबाज बने थे। 1999 में भारत दौरे पर आई पाकिस्तान की टीम टेस्ट सीरीज में भारत से 1-0 से आगे थी, लेकिन कुंबले के इस प्रदर्शन पर भारत ने दिल्ली टेस्ट मैच जीतकर सीरीज में वापसी कर ली थी। इस मैच की दूसरी पारी में कुंबले की घातक गेंदबाजी के सामने पाकिस्तान की पूरी टीम 207 रन पर ऑलआउट हो गई थी और फिर भारत को मैच में 212 रन से जीत मिली थी। इस मैच में कुंबले के 10 विकेट पूरे करने में टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ की भी बड़ी भूमिका रही थी। अनिल कुंबले ने एक चैट के दौरान टेस्ट करियर के इस खास दिन का याद करते हुए कहा कि दूसरी पारी में श्रीनाथ जिस तरह से गेंदबाजी कर रहे थे उससे उन्हें भरोसा था कि 10वां विकेट मैं ही लूंगा। अनिल ने कहा कि टी ब्रेक के बाद मैंने पाकिस्तान का 7वां, 8वां व नौवां विकेट लिया। इसके बाद मेरा ओवर खत्म हो गया था और श्रीनाथ को गेंदबाजी करनी पड़ी। ये ओवर फेंकना श्रीनाथ के लिए शायद सबसे मुश्किल काम था। उन्होंने अपनी गेंदबाजी की सारी स्किल भुलाकर विकेट से दूर गेंदबाजी की। यकीन मानिए मैंने उन्हें ऐसा करने के लिए नहीं कहा था। वो शायद चाहते थे कि दसवां विकेट मैं ही लूं। अनिल कुंबले ने बताया कि मुझे लगा कि चलो वसीम अकरम को सिंगल दे देते हैं, लेकिन मुझे लगा कि मुझे एक ओवर और फेंकना पड़ेगा क्योंकि श्रीनाथ से एक और ओवर गेंदबाजी के लिए कहना थोड़ा अजीब था। दरअसल पाकिस्तान के खिलाफ 10 विकेट लेना मेरे भाग्य में लिखा था और ऐसा ही हुआ। इस टेस्ट सीरीज का पहला मैच भारत ने चेन्नई में खेला था जिसमें उसे 12 रन से हार मिली थी। वहीं कोटला में जीत के बाद टीम इंडिया ने टेस्ट में वापसी कर ली।

वेस्टइंडीज का सातवां विकेट गिरा, होल्डर आउट हुए

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड व वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी व निर्णायक मैच मैनचेस्टर में खेला जा रहा है। दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण इस मुकाबले में कैरेबियाई कप्तान जेसन होल्डर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया था। पहली पारी में इंग्लैंड की टीम ने 369 रन बनाए। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में खबर लिखे जाने तक 7 विकेट के नुकसान पर 178 रन बना लिए हैं। फिलहाल वो 191 रन पीछे है। वेस्टइंडीज की शुरुआत भी पहली पारी में निराश करने वाली रही और टीम के बेहतरीन बल्लेबाज क्रेग ब्रेथवेट को स्टुअर्ट ब्रॉड ने एक रन पर कप्तान जो रूट के हाथों कैच आउट करके पवेलियन वापस भेज दिया। वेस्टइंडीज के दूसरे ओपनर बल्लेबाज कैंपबेल 32 रन बनाकर जोफा आर्चर की गेंद पर कैच आउट हुए। शाई होप को जेम्स एंडरसन ने 17 रन पर जोस बटलर के हाथों कैच आउट करवा दिया। ब्रुक्स को एंडरसन ने 4 रन पर आउट कर दिया जबकि रोस्टन चेज ब्रॉड की गेंद पर 9 रन पर आउट हो गए। ब्लैकवुड 26 रन बनाकर क्रिस वोक्स का शिकार बने। तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में इंग्लैंड की शुरुआत निराश करने वाली रही और पिछले टेस्ट में शतकीय पारी खेलने वाले सिब्ले शून्य पर आउट हो गए। उन्हें केमार रोच ने आउट किया। इंग्लैंड के कप्तान जो रूट भी पहली पारी में कुछ खास नहीं कर पाए और सिर्फ 17 रन बनाकर रन आउट हो गए। दूसरे टेस्ट में शतक जमाने वाले बेन स्टोक्स के रोच ने अपना शिकार बनाया और महज 20 रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। रोरी बर्न्स ने 57 रन की अच्छी पारी खेली, लेकिन रोस्टन चेज ने उन्हें 57 रन पर कॉर्नवाल के हाथों आउट करवा दिया। ओली पोप ने 91 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन गैब्रियाल ने उन्हें 91 रन पर क्लीन बोल्ड कर दिया। वहीं क्रिस वोक्स को एक रन पर केमार रोच ने क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके अलावा जोस बटलर को 67 रन पर गैब्रियाल ने जेसन होल्डर के हाथों कैच आउट करवाया। रोच ने अपना चौथा शिकार जोफा आर्चर को बनाया और उन्हें 3 रन के स्कोर पर जेसन होल्डर के हाथों कैच आउट करवा दिया। स्टुअर्ट ब्रॉड ने तेज पारी खेलते हुए 45 गेंदों पर 62 रन बनाए और उन्हें रोस्टन चेज ने ब्लैकवुड के हाथों कैच आउट करवा दिया। जेम्स एंडरसन को होल्डर ने 11 रन पर आउट कर दिया। इंग्लैंड की टीम ने पहली पारी में 369 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज केमार रोच रहे और उन्होंने कुल 4 विकेट लिए। वहीं गैब्रियाल और रोस्टर चेज ने दो-दो जबकि जेसन होल्डर को एक सफलता मिली। दोनों देशों के बीच अब तक 159 टेस्ट मैच खेले गए हैं जिसमें वेस्टइंडीज ने 58, इंग्लैंड ने 50 जबकि 51 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। इंग्लैंड में दोनों देशों के बीच अब तक कुल 88 टेस्ट मैच खेले गए हैं जिसमें इंग्लैंड ने 35 में जीत दर्ज की है जबकि वेस्टइंडीज ने 31 मैचों में तो वहीं 22 मैच डॉ रहे हैं। मैनचेस्टर में दोनों टीमों के बीच 16 मैच खेले गए हैं जिसमें इंग्लैंड ने 7 जबकि इंडीज ने 5 मैच जीते जबकि 4 डॉ रहे हैं। रोरी बर्न्स, डेमिनिक सिब्ले, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, ओली पोप, जोस बटलर (विकेटकीपर), क्रिस वोक्स, डोमिनिक बेस, जोफा आर्चर, स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन। क्रेग ब्रेथवेट, जॉन कैंपबेल, शाई होप, शामराह ब्रूक्स, रोस्टन चेज, जर्मेन ब्लैकवुड, शाशेन डॉवरिच, जेसन होल्डर (कप्तान),रहकीम कॉर्नवाल, केमार रोच, शेनोन गैब्रिएल।

हरभजन सिंह को बिजली बिल देखकर लगा जोर का झटका, कहा-

पूरे मोहल्ले का भेज दिया क्या

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के सीनियर स्पिनर हरभजन सिंह को उनके बिजली के बिल ने जोर का झटका दिया है। आइपीएल में सीएसके के लिए खेलने वाले भज्जी को खुशी की खबर तब मिली जब इस बात की घोषणा की गई कि इस लीग की शुरुआत 19 सितंबर से होगी। भज्जी अब आइपीएल में गुगली व दूसरा फेंकते नजर आ सकते हैं, लेकिन उससे पहले मुंबई की बिजली कंपनी ने उनके खिलाफ ही गुगली का इस्तेमाल कर दिया। हरभजन सिंह अपना बिजली बिल देखकर बेहद हैरान हैं और उन्होंने इसे लेकर अपने विचार भी सबसे साथ साझा किए। उन्होंने ट्वीट करके बताया कि उनका बिजली बिल इस बार 33,900 रुपये का आया है। उन्होंने बताया कि ये बिल सामान्य बिल से 7 गुणा ज्यादा है। हरभजन सिंह ने अपने ट्वीट में अडानी इलेक्ट्रीसिटी मुंबई को टैग करते हुए लिखा कि इतना बिल- पूरे मोहल्ले का लगा दिया क्या। उन्होंने कंपनी की तरफ से आए बिल को पोस्ट करते हुए लिखा कि सात गुणा ज्यादा। भज्जी के मुताबिक उनसे ये बिल 7 गुणा ज्यादा है इसका ये मतलब है कि उनका महीने का बिल लगभग 5000 रुपये के आसपास आता है। इन सारी बातों के बीच इन दिनों कोविड 19 महामारी की वजह से भज्जी अपने घर में ही वक्त बिता रहे हैं। पिछले दिनों उन्होंने कोरोना महामारी की वजह से कई तरह की परेशानियों से जूझ रहे लोगों की खूब मदद की थी।

अब हालांकि आइपीएल 2020 के तारीख की घोषणा हो गई है तो भज्जी ने भी अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। इस वक्त वो एम एस धौनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा हैं। वो सीएसके के साथ पिछले साल ही जुड़े थे। इस टीम के साथ ये उनका दूसरी सीजन होगा। इससे पहले वो मुंबई इंडियंस के लिए खेल रहे थे। क्रिकेट फैंस अब भज्जी को आइपीएल 2020 में खेलते देख सकेंगे।

धोनी की सीएसके खास वजह से बाकी टीमों से पहले जाएगी यूएई

नई दिल्ली, एजेंसी। धोनी की अगुआई में चेन्नई सुपर किंग्स की नजर अब आइपीएल में चौथी जीत पर टीकी है। तीन बार आइपीएल खिताब जीत चुकी ये टीम एक बार फिर आइपीएल 2020 में धमाकेदार प्रदर्शन करना चाहती है और इसके लिए तैयारियों में किसी भी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहती है। कोविड 19 महामारी की वजह से मार्च में आइपीएल की शुरुआत नहीं हो सकी, लेकिन अब ये यूएई में 19 सितंबर से खेला जाएगा। अब खबर ये सामने आ रही है कि सीएसके की पूरी टीम यूएई में अन्य टीमों से पहले जाएगी जिससे कि वो यहां के कंडीशन में पूरी तरह से ढ़ल जाएं। गल्फ न्यूज की खबर के मुताबिक एमएस धौनी और उनकी पूरी टीम अगस्त के दूसरे सप्ताह में ही यूएई पहुंच जाएगी जबकि अन्य 7 टीमें अगस्त के तीसरे सप्ताह में यहां पहुंचेगी। सीएसके टीम मैनेजमेंट का कहना है कि कोविड 19 महामारी की वजह से खिलाड़ी लंबे अरसे से अपने घरों में हैं और इतने लंबे अंतराल के बाद खुद को खेल के मुताबिक तैयार करने के लिए उन्हें कुछ वक्त चाहिए। सीएसके में सबसे ज्यादा फोकस टीम के कप्तान एम एस धौनी पर होगा क्योंकि वो 2019 वनडे वर्ल्ड कप से बाद से ही क्रिकेट से दूर हैं। हालांकि मार्च की शुरुआत में उन्होंने सीएसके के कैंप में हिस्सा जरूर लिया था, लेकिन उस वक्त कोरोना महामारी की वजह से इस लीग को स्थगित करना पड़ा था। आइपीएल 2020 की पूरी शेड्यूल अभी तय नहीं की गई है लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही सबके सामने पूरा शेड्यूल होगा। सीएसके में धौनी के अलावा और भी कई स्टार खिलाड़ी मौजूद हैं। यूएई में ये दूसरा मौका होगा जब आइपीएल का आयोजन किया जाएगा। इससे पहले साल 2014 में आइपीएल के 7वें सीजन के आधे मैच यहां पर खेले गए थे। भारत में आम चुनाव की वजह से बीसीसीआइ ने ये फैसला किया था। कोविड 19 महामारी से जूझ रहे भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए आइपीएल का आयोजन तोहफे की तरह है। गौतम गंभीर ने तो यहां तक कह दिया है कि इसके आयोजन से देश के लोगों का मूड बदल जाएगा।

रणबीर के साथ महज 15 साल की उम्र में संजना ने की थी फिल्म

दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत अब हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन उनकी यादें हमेशा हम सब के दिलों में जिंदा रहेंगी। 24 जुलाई शुक्रवार यानी कल सुशांत की आखिरी फिल्म शि्दल बेचाराश् ओटीटी पर रिलीज हो रही है। इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत की जोड़ी संजना सांघी के साथ है और यह उनकी डेब्यू फिल्म भी है। वैसे तो बॉलीवुड में उनकी यह फिल्म डेब्यू के तौर पर है लेकिन इससे पहले भी वह बड़े पर्दे पर दिखाई दे चुकी हैं। बता दें कि दिल बेचारा एक्ट्रेस संजना सांघी ने इस फिल्म में पहली बार कैमरा फेस नहीं किया है। दरअसल बॉलीवुड में 9 साल पहले ही संजना ने एंट्री कर ली थी। इम्तियाज अली की फिल्म रॉकस्टार साल 2011 में रिलीज हुई थी और इसमें संजना सांघी ने भी काम किया था। अगर संजना सांघी पर आपकी नजर नहीं पड़ी हो तो बता दें कि नरगिस फाखरी की छोटी बहन मैंडी की भूमिका इस फिल्म में उन्होंने निभाई थी। संजना सांघी जब स्कूल में परफॉर्म कर रही थी उस समय कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा की नजर पड़ी थी। उस दौरान केवल 13 साल की संजना थीं और उन्होंने दिल्ली में अपने स्कूल में परफॉर्म किया था। मुकेश ने वहां पर संजना को देखकर ऑडिशन के लिए कहा। उसके बाद संजना ने ऑडिशन दिया जिसके बाद रॉकस्टार के लिए वह सिलेक्ट हो गई। इरफान खान की फिल्म हिंदी मीडियम में संजना ने काम किया था। इस फिल्म में इरफान की पत्नी का रोल निभाने वाली ऐक्ट्रेस सबा कमर के बचपन का किरदार उन्होंने निभाया। थर्ड इयर की पढ़ाई तब वह कर रही थीं। जब हिन्दी मीडियम को 3 साल पूरे हुए थे तब अपने इंस्टाग्राम पर उन्होंने उसकी एक झलक शेयर की थी। साल 2017 में फिल्म फुकरे रिटर्न्स आई थी उसमें भी संजना सांघी दिखाई दी थी। कई ऐड में भी संजना सांघी ने काम किया है। जैसे क्लोज-अप, तनिष्क, सैमसंग जैसे ब्रैंड शामिल हैं।

अनुराग कश्यप ने खुलासा करते हुए कहा

कंगना-तापसी के बीच की थी सुलाह कराने की कोशिश

बॉलीवुड एक्टर्स कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच में सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से जुबानी जंग छिड़ी हुई है। दरअसल यह तब शुरू हुआ जब कंगना ने श्थप्पड़श् अभिनेत्री तापसी पन्नू को बी ग्रेड और जरूरतमंद बाहरी व्यक्ति कह दिया था। इस बहस में फिल्म इंडस्ट्री के कई सितारे भी शामिल हुए। उन्हीं में से एक अनुराग कश्यप ने भी अपने विचार रखे और कहा वह इस नई कंगना को नहीं जानते हैं जो कभी एक उनकी अच्छी दोस्त हुआ करती थी। अनुराग कश्यप ने हाल ही में एक न्यूज एजेंसी को इंटरव्यू देते हुए कहा कि उन्होंने दोनों अभिनेत्रियों के बीच सुलाह कराने की कोशिश की थी जब उनके बीच शुरुआती जंग हुई थी। पिछले साल तापसी पन्नू को कंगना की बहन रंगोली चंदेल ने सस्ती कॉपी कहा था। जिसके बाद कंगना के बारे में बात करते हुए अनुराग कश्यप ने कहा उन्हें डबल फिल्टर शायद आवश्यकता हो गयी है। दरअसल तापसी और कंगना में जुबानी जंग तब शुरू हुई थी जब तापसी और अनुराग अपनी फिल्म मनमर्जियां को प्रोमोट कर रहे थे। उस दौरान मीडिया ने तापसी से पूछा कि आप कंगना को कौन से प्रोडक्ट का सुझाव देना चाहेंगी। अनुराग ने बताते हुए कहा कि, कंगना इससे आहत थीं। मैं कह रहा हूं कि अगर आप इससे आहत हैं, तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। यही तो दोस्त करते हैं। लेकिन वह एक ऐसे मोड पर चली गई हैं जहां अगर आप उनके साथ नहीं हैं तो आप मेरे दुश्मन हो। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने उनके बीच चीजों को बदलने की कोशिश की लेकिन यह कारगर नहीं हुआ। अनुराग कश्यप ने कहा, तापसी भी दोस्त हैं और मैंने कहा कि दो दोस्त क्यों ऐसी बातें एक-दूसरे के लिए कह रहे हैं। मैं कंगना को कॉल कर सब पूछा तो उन्होंने पूरी बातचीत को सोशल मीडिया पर रख दिया। मैं तो बस एक दोस्त की तरह चीजों को ठीक करने की कोशिश कर रहा था। अनुराग कश्यप ने कंगना रनौत ने लेटेस्ट इंटरव्यू पर रिएक्शन देते हुए कहा, 2015 से पहले उन्होंने कंगना को कभी नहीं कहा था कि, मुझसे सीखो, मेरे जैसा बनोष् और तब से लेकर अब तक कंगना का जो पक्ष नहीं नहीं लेता है वह मतलबी और चापलूस है।

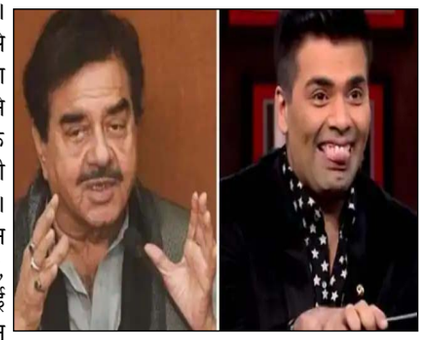

शत्रुघ्न सिन्हा ने कॉफी विद करण शो पर कसा तंज, कहा- फिल्म इंडस्ट्री किसी की प्रॉपर्टी नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत के निधन ने नेपोटिम के मुद्दे को और हवा दे दी है। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर भी बहस हो रही है कि फिल्म इंडस्ट्री को कुछ लोग कंट्रोल करते हैं। इस बीच दिग्गज एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा ने करण जौहर के शो कॉफी विद करण पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि ऐसे शो विवाद का कारण बनते हैं। शत्रुघ्न ने यह भी बोला कि फिल्म इंडस्ट्री किसी की प्रॉपर्टी नहीं है। एक इंटरव्यू के दौरान शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, हमारे जमाने में कोई कॉफी विद अर्जुन नहीं था। उन्होंने अप्रत्यक्ष तरीके से कॉफी विद करण शो को लेकर कहा, इस तरह के प्लांड इवेंट्स से विवादों का जन्म होता है। जहां तक अभी जिन लोगों के बारे में बातें हो रही हैं वे सभी हमारी सोसायटी के सदस्य हैं। फिल्म इंडस्ट्री किसी एक व्यक्ति का नहीं है, जो यह कहे कि चलो इसका बॉयकॉट करते हैं या फिर इस किसी व्यक्ति को फिल्म इंडस्ट्री से हटा देते हैं। आप कहने वाले कौन होते हैं कि तुम इस इंडस्ट्री में कैसे एंटर किया और आपने अपनी लाइफ में क्या किया है? गौरतलब है कि सुशांत की मौत के बाद कंगना रनौत, करण जौहर पर लगातार निशाना साध रही हैं। उन्होंने नेपोटिम को लेकर करण जौहर पर कई तरह के आरोप लगाए। हालांकि, सुशांत ने सुसाइड क्यों किया, इस बात का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। इस केस में मुंबई पुलिस छानबीन कर रही है। पुलिस अभी तक लोगों से पूछताछ कर चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई पुलिस ने सुशांत मामले में कंगना रनौत का बयान दर्ज करने के लिए उन्हें समन भेजा है।

फर्जी है अमिताभ बच्चन के कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट नेगेटिव आने की खबर

अभिनेता ने खुद किया खुलासा

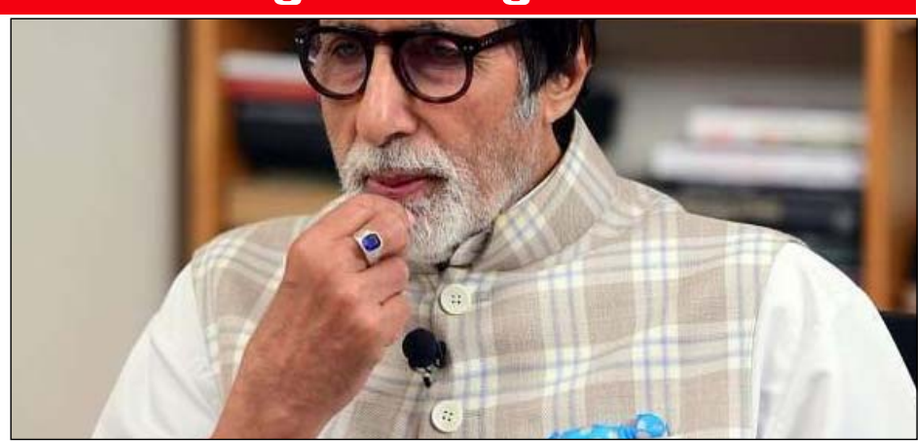

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने बृहस्पतिवार को इन रिपोर्टों से इनकार किया कि कोरोना वायरस की उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आई है और इस बारे में खबरों को ''पूरी तरह झूठा'' करार दिया। सोशल मीडिया पर आई इस तरह की रिपोर्टों को 77 वर्षीय अभिनेता ने तुरंत खारिज कर दिया। वह 11 जुलाई से ही अपने 44 वर्षीय अभिनेता पुत्र अभिषेक के साथ नानावती अस्पताल में भर्ती हैं। अमिताभ ने ट्विटर पर लिखा, ''यह खबर असत्य, गैर जिम्मेदाराना, फर्जी और पूरी तरह झूठ है।'' उन्होंने इसके साथ एक टीवी समाचार चौनल का वीडियो क्लीप भी साझा किया। महानगर के अस्पताल में पिता-पुत्र के 14 दिनों का पृथक-वास पूरा होने का समय नजदीक आते देख इस तरह की खबरें आने लगीं। पिता-पुत्र के संक्रमित पाए जाने के एक दिन बाद बच्चन की पुत्रवधू ऐश्वर्या राय बच्चन (46) और उनकी आठ वर्ष की बेटी आराध्या बच्चन भी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए। संक्रमित पाए जाने के करीब एक हफ्ते बाद ऐश्वर्या और आराध्या को पिछले शुक्रवार को नानावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चन अकसर अपने स्वास्थ्य के बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी देते हैं।

आफ्ताब शिवदासानी ने बॉलिवुड में गुटबाजी पर कहा

मैं किसी को नहीं बनाना चाहता था अपना मालिक

फिल्म इंडस्ट्री में साल 1999 में श्मस्तश् फिल्म से अभिनेता आफ्ताब शिवदासानी ने कदम रखा था। इस फिल्म में एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर उनके साथ थी। वैसे तो फिल्मों मैं बाल कलाकार के रूप में आफ्ताब काम किया हुआ है। उन्होंने सुपरहिट फिल्म शिमस्टर इंडियाश् में भी बाल कलाकार के रूप में काम किया था। उसके बाद बॉलीवुड में मस्ती, आवारा पागल दीवाना, हंगामा जैसी कई फिल्मों में आफ्ताब ने काम किया हुआ है। उन्हें सफल सोलो हीरो के रूप में भी जाना जाता है। हालांकि फिल्म इंडस्ट्री में इतना समय बिताने के बाद भी किसी एक प्रॉडक्शन हाउस या बॉलिवुड के किसी खास कैंप का हिस्सा आफ्ताब नहीं बने हैं। एक्टर आफ्ताब शिवदासानी ने एक न्यूज एजेंसी को हाल ही में एक्सक्लूसिव इंटरव्यू दिया जिसमें उन्होंने कई मुद्दों पर अपने विचार रखे। आफ्ताब से जब बॉलिवुड में कैंप और ग्रुप्स के बारे में सवाल किया गया तो जवाब देते हुए उन्होंने कहा, इस ग्रुपिजम को साल 2000 के आसपास कैंपिजम बोला जाता था जहां लोग कहते थे कि यह ऐक्टर यशराज, भट्ट या किसी और कैंप से जुड़ा हुआ है। मेरे बारे में कभी ऐसा नहीं हो सका क्योंकि मैंने बहुत सारे प्रड्यूसर्स के साथ काम किया और मैं सभी से फ्रेंडली था लेकिन क्लोज किसी के नहीं था। आफ्ताब ने आगे बताया, मैंने 9 फिल्में विक्रम भट्ट के साथ और 5-6 फिल्में रामगोपाल वर्मा के साथ कीं लेकिन मैं कभी उनके कैंप का हिस्सा नहीं बना। करण जौहर तो मेरे दूर के रिश्तेदार भी हैं लेकिन मैं कभी भी किसी का नजदीकी नहीं रहा। मैं सभी के साथ फ्रेंडली रहा इसलिए मेरा कोई दुश्मन भी नहीं है। इसलिए मैंने खुद को इस ग्रुपिजम और कैंपिजम से खुद को हमेशा दूर ही रखा है। आफ्ताब ने अपने कैरियर में कुछ किरदारों को छोड़ने पर कहा, मैंने बहुत सी फिल्में और किरदार रिजेक्ट कर दिए। मुझे बहुत से ऐसे रोल ऑफर किए गए जिनमें मैं थर्ड या फोर्थ लीड में था और ऐसे रोल मैं नहीं करना चाहता था। इसलिए मैंने बिल्कुल इज्जत के साथ इन फिल्मों के लिए मना कर दिया। दरअसल मिस्टर इंडिया में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर आफ्ताब ने काम किया था। इस फिल्म के रीमेक की चर्चा हाल ही में सामने आई थी। उनसे जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने जवाब देते हुए कहा, कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जिन्हें दोबारा नहीं बनाया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि शायद आगे की कहानी कर जाए लेकिन रीमेक तो बिल्कुल नहीं बनाया जाना चाहिए।

कंगना रनौत ने की थी गली बॉय की आलोचना

जोया अख्तर बोलीं फर्क नहीं पड़ता

पिछले काफी दिनों से कंगना रनौत लगातार बॉलिवुड में नेपोटिजम और आउटसाइडर का मुद्दा जोर-शोर से उठा रही हैं। इसी क्रम में उन्होंने कई बार जावेद अख्तर की फैमिली, उनकी बेटी जोया अख्तर और उनकी फिल्म गली बॉय को भी निशाने पर लिया है। हालांकि अभी तक इस बारे में जोया ने कुछ भी नहीं कहा था लेकिन अब एक टीवी चौनल से बात करते हुए उन्होंने इस पर अपना जवाब दिया है। इंडिया टुडे टीवी को दिए एक इंटरव्यू में जोया अपने पिता जावेद अख्तर और भाई फरहान अख्तर के साथ मौजूद थीं। यहां पर उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी आलोचना से कोई परेशानी नहीं है और कंगना अपने विचार रख सकती हैं।

इसके बाद जोया से पूछा गया कि क्या वह कंगना को अपनी पार्टियों में इन्वाइट करेंगी तो इसके जवाब में जोया ने कहा कि कंगना ने हर प्लैटफॉर्म पर जाकर कहा है कि वह जोया का काम पसंद नहीं करती हैं इसलिए वह उन्हें ऐसी परिस्थिति में नहीं लाना चाहती हैं जिसे वह पसंद करती हैं। कंगना ने अपने बयानों में कई बार कहा है कि गली बॉय के लिए कई अवॉर्ड्स दिए गए जबकि सुशांत सिंह राजपूत की छिछोरे उससे कहीं बेहतर फिल्म थी। इसके जवाब में जोया ने कहा कि आखिर कंगना अवॉर्ड्स की बात ही क्यों करती हैं जबकि उन्होंने खुद ही अवॉर्ड शोज का बहिष्कार कर रखा है। जोया ने यह भी कहा कि उन्हें कंगना की आलोचना से कोई फर्क नहीं पड़ता है क्योंकि उन्होंने अपना प्रफेशन खुद चुना है जिसमें हमेशा कुछ लोग ऐसे होंगे जो उनके काम को पसंद नहीं करेंगे। इसके अलावा नेपोटिजम पर बात करते हुए जोया ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति का अपने बच्चों पर पैसा लगाना नेपोटिजम तो फिर हर इंडस्ट्री में नेपोटिजम मौजूद है। जोया के बाद उनके भाई फरहान अख्तर ने कहा कि टैलंट हमेशा को अपनी पहचान मिलती है। उन्होंने कहा कि कलाकारों को उनके काम से पहचान मिलती है न कि उनके बैकग्राउंड के कारण। जोया ने यह भी कहा कि वह अपना फिल्म करियर या अपने पैरेंट्स को नहीं बदल सकती हैं। उन्होंने कहा कि वह केवल अपनी बैकग्राउंड केवल इसलिए नहीं बदल सकती हैं क्योंकि कुछ लोगों को इससे परेशानी है।

कंगना रनौत की टीम ने खोज निकाला वो पोस्ट

जिसमें सुशांत सिंह राजपूत ने किया था नेपोटिजम का जिक्र

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सोशल मीडिया पर नेपोटिजम पर जबरदस्त बहस छिड़ी हुई है। सुशांत के कई फैन्स का दावा है कि वह भी बॉलिवुड में खेमेबाजी का शिकार थे। कंगना रनौत इस मुद्दे को काफी पहले से उठा रही हैं। हालांकि सुशांत का 2015 का पोस्ट सामने आया है, जिसमें उन्होंने नेपोटिजम का जिक्र किया था। कंगना की टीम ने भी अब उनका ये पोस्ट ढूंढ़कर शेयर किया है। 2017 में कंगना रनौत करण जौहर के चौट शो पर नेपोटिजम पर बोली थीं। इसके बाद से वह अक्सर इस मुद्दे पर कॉमेंट करती रहती हैं।

सुशांत की मौत के बाद यह मुद्दा फिर से सुर्खियों में है। अब कंगना ने सुशांत का एक पुराना पोस्ट शेयर किया है जिसमें उन्होंने नेपोटिजम पर लिखा था। इस पोस्ट में सुशांत ने स्ंततल ॿमतेजमद का कोट लिखा है, यहां हम फैमिली वैल्यूज को बिल्कुल वैसे ही प्रमोट करते हैं जैसे कि अपने परिवार के सदस्यों को। उन्होंने हैशटैग दिए थे एक और पोस्ट में सुशांत ने लिखा है, प्रकृति एकदम अलग-अलग तरह के लोग पैदा कर रही है जबकि कल्चर ने एक सांचा बना लिया है सबको उसी के अनुरूप ढलना है। यह अजीब है- सुशांत के ऑफिशल फेसबुक पेज पर किए गए ये पोस्ट साबित करते हैं कि वह कंगना से काफी पहले ही इस मुद्दे पर बोलने की कोशिश कर रहे थे। बीते दिनों कंगना ने दावा किया था कि उन्होंने अंकिता लोखंडे से फोन पर बात की थी। अंकिता ने कहा था कि वहां शुरू से ही उसका अपमान हो रहा था जिसे वह झेल नहीं पाए।

सुशांत के फैन ने की दिल बेचारा का अधूरा गाना पूरा करने की रिक्वेस्ट, एआर रहमान बोले- करूंगा

सुशांत सिंह राजपूत की फिल्म दिल बेचारा लोगों के दिल और दिमाग पर छाई हुई है। फिल्म को सुशांत के फैन्स ने खूब प्यार दिया। फिल्म के गाने भी खूब पसंद किए जा रहे हैं। इसका क्रेडिट जाता है एआर रहमान को। अब सुशांत के एक फैन ने एआर रहमान से रिक्वेस्ट की है कि वह फिल्म का एक अधूरा गाना पूरा कर दें। यह गाना है, गाना रिलीज नहीं हुआ और फिल्म में बजता है। कमाल की बात है कि इस फैन ने फिल्म इतने ध्यान से देखी और गाना नोटिस किया, इस बात पर एआर रहमान भी हैरान हैं। उन्होंने फैन को जवाब भी दिया है। हिमांशु नाम के इस फैन ने रहमान को टैग करके ट्वीट किया है, एआर रहमान सर दिल बेचारा फिल्म का गाना (नेवर से गुडबाय) पूरा कर दीजिए। इस पर रहमान ने लिखा है, करूंगा, आपने अनरिलीज्ड सॉन्ग नोटिस कर लिया। सुशांत की फिल्म दिल बेचारा के गाने काफी पसंद किए जा रहे हैं। टाइटल ट्रैक दिल बेचारा और तारे गिन लोगों की जुबान पर चढ़ गए हैं। सोशल मीडिया फिल्म पर फिल्म के सीन, गाने और सुशांत के लिए प्यारभरे मेसेज छाए हैं। फिल्म को प्डक्इ पर भी भारतीय फिल्मों में टॉप रेटिंग मिली है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob:
8896925119, 9695670357
Email:
kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।